हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक 23 फरवरी, 2024 को माननीय अध्यक्ष, श्री कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

प्रश्नकाल

तारांकित प्रश्न

23.02.2024/1100/बी0एस0/एच के-1

व्यवस्था का प्रश्न

अध्यक्ष : आज की सभा में आप सभी माननीय सदस्यों का स्वागत है। आदरणीय परमार जी अभी प्रश्न काल समाप्त होने देते हैं।

श्री विपिन सिंह परमार : अध्यक्ष महोदय, कृपया मुझे बोलने के लिए थोड़ा-सा समय दीजिए, बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, विपिन सिंह परमार जी आप क्या कहना चाहते है?

श्री विपिन सिंह परमार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं, अखबार में एक खबर छपी है और लोकतंत्र में एक सांसद का भी अपना महत्व है और कौंसिल ऑफ मिनिस्टर में मिनिस्टर का भी रोल है। मुझे लगता है कि तब वह एक सरकार बनती है। सरकार बनने के बाद डैलिब्रेशंज और उसके बाद काम चलता है। परंतु हाल ही में थलोट में विनोद कुमार जी एक एक्सियन हैं, मण्डी और कुल्लू जिला के बीच में इनका कार्यालय पड़ता है। इन्हें एक नोटिस जारी किया गया और उन्हें यह भी कहा गया कि 10 दिनों के अन्दर-अन्दर हमें उत्तर दिया जाए। यह विषय लोक निर्माण विभाग का है। यानी लोक निर्माण विभाग के ई.एन.सी. कार्यालय ने थलोट मण्डल को नोटिस दिया । मुख्य मंत्री कार्यालय की स्वीकृति के बिना यह सब कैसे हुआ। हाल ही में आपके ही लोक निर्माण मंत्री जिला मण्डी में गए और उन्होंने पी.एम.जी.एस.वाई. द्वारा बनाई गई सड़कों का उद्घाटन किया और साथ में उस संसदीय क्षेत्र की सांसद आदरणीय प्रतिभा सिंह जी भी साथ में थीं। परंतु उसमें यह कहा गया कि वहां एक करोड़ रुपये से ज्यादा ये उद्घाटन और शिलान्यास हुए। बंजार में भी आदरणीय सुरेन्द्र शौरी के इलाके में ऐसे ही हुआ था। वहां पर भी नोटिस जारी किया गया है। ऐसा अतीत में कभी नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में यह लाना चाहता हूं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, इश्यू क्या है?

श्री विपिन सिंह परमार : अध्यक्ष महोदय, इश्यू यह है कि एक करोड़ रुपये से ज्यादा के उद्घाटन और शिलान्यास बिना स्वीकृति के मंत्री जी नही कर सकते। हालांकि मंत्री और सांसद इन्हीं के हैं तो ये विरोधाभास क्यों पैदा हो रहा है। मैं यह कहना चाहता

23.02.2024/1100/बी0एस0/एच के-2

हूं कि मुख्य मंत्री कार्यालय की स्वीकृति के बिना करोड़ों रुपये के विकास कार्य के शिलान्यास व उद्घाटन करवाने पर लोक निर्माण विभाग के थलोट मण्डल के अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। लोक निर्माण विभाग के ई.एन.सी. कार्यालय ने एक्सियन विनोद कुमार जी को नोटिस जारी कर पूछा है कि मुख्य मंत्री

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1105/DT/HK-1

श्री विपिन सिंह परमार...जारी

कार्यालय की स्वीकृति के बिना एक करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य व शिलान्यास कैसे हुए? पी.एम.जी.एस.वाई की सड़कें तो भारत सरकार द्वारा स्वीकृत होती हैं। कई बार हम मुख्य मंत्री से बात नहीं कर पाते हैं तो फिर संबंधित मंत्री से बात कर लेते हैं। अगर इन बातों में व्यवधान पैदा किए जाएंगे और हमारा तालमेल नहीं होगा तो फिर विकास नहीं हो पाएगा। अगर विपक्षी दलों के विधान सभा क्षेत्र में इस प्रकार होता रहेगा और मंत्री साहब कुछ कर नहीं पाएंगे तो मुझे लगता है कि कहने के लिए कुछ और व दिखाने के लिए कुछ और वाली बात होगी।

अध्यक्ष : लोक निर्माण मंत्री जी।

लोक निर्माण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, श्री विपिन सिंह परमार जी ने व्यवस्था का प्रश्न किया है। ऐसा है, according to Rules of Business जो मंत्री है वह अपने विभाग में स्वतंत्र है। प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना that is a Centrally Sponsored Scheme. इसका पैसा केंद्र सरकार से आ रहा है and they authorized Minister to inaugurate or to lay its

foundation stone. उसकी अनुमति उनको केंद्र सरकार से मिली हुई है। इसलिए इस तरीके की सनसनी यहां फैलाना ठीक नहीं है। ..(व्यवधान)

Speaker: Hon'ble PWD Minister, ...(Interruption) Please take your seats. ...(Interruption) I am making the Hon'ble Minister to understand the issue. There issue is about the schemes which are of one crore or the above.

लोक निर्माण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं ये कहना चाहता हूं कि प्रदेश सरकार का पैसा है और केंद्र सरकार की योजना है। केंद्र सरकार की योजना के उद्घाटन के लिए हमें केंद्र सरकार से परमिशन लेने की जरूरत नहीं है।

अध्यक्ष : मंत्री जी इश्यू कुछ और है। यह कह रहे हैं कि एक करोड़ रुपये तक की फाउंडेशन स्टोन और इनऑग्रेशन की परमिशन पी.डब्ल्यू.डी. मंत्रालय देता है। एक करोड़ से ऊपर सी.एम. का कार्यालय देता है।

23.02.2024/1105/DT/HK-2

PWD Minister: Hon'ble Speaker, that is for State schemes. मगर केंद्र सरकार की जो योजनाएं हैं उसमें केंद्र का पैसा है।

अध्यक्ष : वह इश्यू नहीं है। Their question is to the Chief Minister. Please take your seats. ...(Interruption) Let the Hon'ble Chief Minister reply to it. ...(Interruption) Let the Hon'ble Chief Minister clarify the situation.

मुख्य मंत्री: अध्यक्ष महोदय, आप बार-बार प्वाइंट ऑफ आर्डर का समय विपक्ष के साथियों को प्रश्न से पहले दे रहे हैं। आपने पिछली बार भी ऐसा किया। आप विपक्ष की बात को महत्व दे रहे हैं। ये अच्छी बात है कि आप विपक्ष की बात सुनते हैं। प्वाइंट ऑफ आर्डर हमेशा प्रश्न काल के बाद होता है लेकिन आप ने इन्हें प्रश्न काल के दौरान ये मौका दिया। लेकिन माननीय सदस्य श्री विपिन सिंह परमार ने कहा है हमारे सभी मंत्री सभी प्रकार के शिलान्यास करने के लिए स्वततंत्र हैं। उसमें कुछ प्रक्रियाएं, कुछ प्रेसीडेंस होते हैं और ये

कोई पहला प्रेसीडेंस नहीं है। एक करोड़ रुपए की जो अनुमति होती है वह संबंधित मंत्री अपने विभाग से इसकी जानकारी लेकर उसका उद्घाटन करते हैं और इसमें कोई दो राय नहीं है। पिछले दिनों जब पी0एम0जी0एस0वाई0 के उद्घाटन के लिए मैं ऊना जिला के दौरे पर था तो मुझे उसका उद्घाटन करने से रोक दिया गया और कहा गया कि केंद्र से इसकी परमिशन लेनी पड़ेगी। जब मैंने अधीक्षण अभियंता से पूछा तो उन्होंने कहा कि पी0एम0जी0एस0वाई0 के अंतर्गत किए गए कार्य के लिए किसी भी प्रकार की अनुमति की आवश्यकता केंद्र सरकार से वांछित नहीं होती। केंद्र की योजनाओं में संबंधित मंत्री की कंसेंट की भी कोई जरूरत नहीं है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि एक करोड़ से ऊपर की स्टेटस स्कीम्ज और जो

श्री एन.जी.द्वारा जारी

23-02-2024/1110/वाई.के.-एन.जी/1

मुख्य मंत्री .....जारी

दूसरी स्कीम्ज़ के लिए हमने एक नियम बनाया है उसकी अनुमति मुख्य मंत्री कार्यालय देता है। जिसने मुख्य मंत्री कार्यालय की अवहेलना की होती है उसे नोटिस जारी करके पूछा जाता है। दूसरी बात, जब मुझे ही पी.एम.जी.एस.वाई. के लिए रोक दिया गया तो उसके लिए हमने भारत सरकार से बात की है और उन्होंने हमसे कहा है कि मुख्य मंत्री कार्यालय स्वतंत्र है तथा लोक निर्माण मंत्री भी हर कार्य में स्वतंत्र है। इसके लिए हमें स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं है। मैं यहां पर यही क्लीयर करना चाहता हूं। माननीय सदस्य श्री विपिन सिंह परमार ने जो कहा है तो यह प्रथा मेरे समय से नहीं चल रही है बीसियों साल से ऐसा ही चल रहा है। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

Speaker : I am not allowing. ...(Interruption) I am not allowing. This is not a time for a debate. Shri Rakesh Jamwalji, please take your seat. ...(Interruption) I am not allowing you. ...(Interruption) I am not allowing. This is Question Hour. You cannot raise this kind of issue. Please, take your seats. ...(Interruption)

Please, take your seats. …(Interruption) Nothing will go on record. I am not allowing it. …(Interruption)… Postponed question for the day. …(Interruption) Nothing will go on record except the answers. …(Interruption) This is the administrative action which Government can take. …(Interruption)

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

23-02-2024/1110/वाई.के.-एन.जी/2

प्रश्न संख्या : 1203 (स्थगित)

श्री केवल सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, मैंने प्रश्न किया था कि राष्ट्रीय उच्च मार्ग का मेरे विधान सभा क्षेत्र के द्रमण, शाहपुर, रजौल सड़क का ऐयरपोर्ट तक विस्तारीकरण हो रहा है तो वहां के सर्कल रेट के संदर्भ में जानना चाहा है। मैं कहना चाहता हूं कि यह लगभग 10 किलोमीटर का ऐरिया है और हर दो किलोमीटर पर सर्कल रेट अलग-अलग है। जिस राष्ट्रीय उच्च मार्ग का विस्तारीकरण हो रहा है उसमें खासकर द्रमण, शाहपुर व रजौल के बहुत सारे क्षेत्र आते हैं। वहां पर एन.एच. द्वारा बड़ी-बड़ी हाइट्स दी गई हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री केवल सिंह पठानिया, कृपया एक मिनट बैठ जाइए।...(व्यवधान) किस बात की तानाशाही? Please, take your seats. ...(Interruption) बैठ जाइए। ...(Interruption) Please, take your seats. श्री विनोद कुमार जी, बैठ जाइए।...(व्यवधान) आप लोग सुबह-सुबह क्या खाकर आए हैं? ...(व्यवधान) जब तक मैं अलाऊ न करूं तब तक अपनी सीट पर खड़ा मत हुआ करिए। ...(व्यवधान) मुझे क्या करना है, इसके बारे में श्री विनोद कुमार जी, क्या आप बताएंगे? ...(व्यवधान) मैंने आपको अलाऊ कर दिया था और इनका ऑब्जैक्शन ठीक था। प्रश्न काल में इस प्रकार से प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता है। मैं यह मान कर चलता हूं कि विपक्ष की ओर से जो विषय उठता है वह बहुत जरूरी है और हो सकता है कि वह विषय सरकार के ध्यान में नहीं होगा। अब आप सरकार के अधिकार क्षेत्र पर भी एंक्रोच करना चाह रहे हैं।

किसी एक्स.ई.एन. को यदि नोटिस दिया गया that is an administrative action. ...(Interruption) I am not allowing it. This is an administrative action and the Hon'ble Chief Minister has explained the position. जब पॉजिशन एक्सप्लेन हो गई तब आप कह रहे हैं कि तानाशाही नहीं चलेगी। किसकी तानाशाही? ...(व्यवधान) मैंने आपको अलाऊ किया है।...(व्यवधान) इन्होंने बोला है कि एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन लिया। Let him reply. उसको कोई सजा दे दी। The Government is all in powers to take administrative actions, which cannot be questioned in the Assembly. Administrative actions cannot be questioned in the Assembly. But still I have allowed you. Please, take your seats. Let the Question Hour. ...(व्यवधान) प्रश्न काल चलने दो। ...(व्यवधान) ठीक है, श्री विपिन सिंह परमार जी, आप बोलिए।

23-02-2024/1110/वाई.के.-एन.जी/3

श्री विपिन सिंह परमार : अध्यक्ष महोदय, हम कहना चाहते हैं कि मुख्य मंत्री जी ने जो उत्तर दिया वह इनका अधिकार क्षेत्र है।

श्री टी.सी.वी. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1115/टी0सी0वी0/वाई0के0-1
प्रश्न संख्या : 1203 ... क्रमागत्
श्री विपिन सिंह परमार ... जारी

परंतु ये जो नोटिस है यह आपके मिनिस्टर की शक्तियों के आगे एक प्रश्नचिन्ह है। दूसरा, जो आपके दल की मण्डी संसदीय क्षेत्र से सांसद है और कांग्रेस पार्टी की प्रदेश अध्यक्षा है, यह उनकी शक्तियों के ऊपर भी एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह है। तीसरा, जो अधिकारी है जिनके माध्यम पूरा हिमाचल प्रदेश आगे बढ़ रहा है, सड़कें बन रही हैं, पानी, बिजली पहुंच रही है उनके काम पर भी एक चोट है। इसलिए इस नोटिस को वापिस लिया जाए

और यह भी स्पष्ट किया जाए कि जो मंत्री है क्या इनकी कोई पावर्ज नहीं है या इनमें आपसी तालमेल नहीं है?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री राकेश जम्वाल जी मैंने फिर भी आपको अलॉउ कर दिया। This is a Rule of Business. माननीय सदस्य श्री विपिन परमार जी आप विधान सभा के अध्यक्ष रहे हैं, मंत्री रहे हैं। आपको पता है कि जो मुख्य मंत्री का ऑफिस है it is all in powerful and the CM Office can take action against any of the Ministries. It is a Rule of Business that is why because he is a Chief Minister and he is the Leader of the House. But I need not to say much about this. This is an administrative action against an official and cannot be raised in the Vidhan Sabha, therefore, the Point of Order which has been raised, I am disallowing that.

श्री केवल सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, नेशनल हाइवे का जो विस्तारीकरण किया जा रहा है उसके संदर्भ में मैंने प्रश्न पूछा है। मेरे विधान सभा चुनाव क्षेत्र शाहपुर में 15 किलोमीटर के एरिया में सर्किल रेट अलग-अलग तय किए गए हैं और उसके हिसाब से वहां के लोगों को कंपनसेशन दिया गया। इसमें चाहे द्रमण, शाहपुर, पुहाड़ा,रजोल या एयरपोर्ट के साथ लगती मेरी पंचायत बनौई का एरिया हो। पिछले विधान सभा सत्र में मैंने इस विषय को नियम-62 के तहत उठाया था और मुझे इस माननीय सदन में आश्वासन दिया गया था कि संबंधित जिलाधीश और नेशनल हाइवे के प्रोजैक्ट डारेक्टर मौके पर जाएंगे। वहां पर जो वृक्षों का कटान किया गया है उसको चंबी मैदान में रखा गया है। मैं

जानना चाहता हूं कि उनकी वास्तविक डंपिंग साइट कहां है? इस नेशनल हाइवे में इतनी हाईट दी गई है कि रजोल का सारा बाजार और 799 घर इससे पूरी तरह से प्रभावित हुए हैं। द्रमण और शाहपुर का सारा बाजार खत्म कर दिया गया है जबकि यह मामला न्यायालय में भी चल रहा है। लगभग 99 लोग लम्बे समय से वहां पर दुकान चला रहे थे। क्या वर्तमान सरकार उनको भी कोई कंपनसेशन देगी? इसके लिए समिति गठित करने

का आश्वासन दिया गया था क्या उसको दोबारा मौके पर जाने के आदेश करेंगे ताकि लोगों को न्याय मिल सके?

एन0एस0 .. द्वारा जारी

23-02-2024/1120/एन0एस0-डी0सी0/1

प्रश्न संख्या : 1203 ------क्रमागत

श्री केवल सिंह पठानिया ------जारी

द्रमण, रजोल, शाहपुर का एरिया जो बिल्कुल इस वक्त असमंजस की स्थिति है उस पर मंत्री जी से जवाब चाहता हूं। दूसरा, मैं चाहता हूं कि सर्किल रेट पर इन्कवायरी होनी चाहिए। वहां अलग-अलग सर्किल रेट दिए जा रहे हैं।

राजस्व मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न माननीय सदस्य ने किया है उसके दो पार्ट हैं। पहले पार्ट में सर्किल रेट मेरे विभाग से संबंधित है और दूसरा जो इन्होंने नियम-62 के तहत आश्वासन की बात कही है तो वह किसी और विभाग के माध्यम से हुआ है। फिर भी मैं इनके प्रश्न का जवाब देने का प्रयत्न करता हूं। जहां तक सर्किल रेट की बात है तो जब भी कोई भूमि अधिग्रहण किया जाता है तो उसके एवज में सर्किल रेट के हिसाब से कंपनसेशन दिया जाता है। सर्किल रेट के लिए एक फॉर्मूला बनाया गया है और उस फॉर्मूला के तहत ही कंपनसेशन दिया जाता है। यह रेवेन्यू एस्टेट का होता है या रेवेन्यू सब-एस्टेट को होता है। हर रेवेन्यू एस्टेट का अलग-अलग सर्किल रेट होता है। सर्किल रेट के लिए जो फॉर्मूला इजाद किया गया है उसमें एक साल के पीरियड में जितने ट्रांजेक्शन्ज होते हैं उसकी टोटल अमाउंट और जितनी लैंड उसमें इन्वॉल्व होती है उसको डिवाइड करके सर्किल रेट निकाला जाता है। उसमें एक और फॉर्मूला है कि जो सड़क के साथ है, नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे या रूरल रोड के साथ है तो 100 मीटर के लिए अलग रेट रखा गया है। इसमें कोई विसंगति नहीं है। 10 किलोमीटर में अगर 10 रेवेन्यू एस्टेट आते हैं तो उनके अलग-अलग सर्किल रेट हो सकते हैं। सर्किल रेट के बारे में इनके प्रश्न का जो जवाब आया है और उसकी नोटिफिकेशन की कॉपी अभी प्रेषित कर देता हूं ताकि

इनको इस बारे में जानकारी हो जाए। जहां तक इनका दूसरा प्रश्न है कि नेशनल हाइवे बनने से वहां के लोगों को समस्याएं खड़ी हुई हैं कि उनके घरों से भी ऊपर डंगे लग गए और डंपिंग का इश्यू है तो इसके बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि जहां तक रेवेन्यू डिपार्टमेंट का प्रश्न है तो हम जिलीधीश, कांगड़ा को निर्देश देंगे कि एक हफ्ते के अंदर मौके पर जाएं और प्रोजैक्ट डायरैक्टर को भी साथ ले जाएं तथा अगर किसी और संबंधित विभाग जैसे वन विभाग की जरूरत है तो उनको भी साथ ले जाएं और माननीय सदस्य की उस इलाके में जो भी समस्या है उसका समाधान करें।

23-02-2024/1120/एन0एस0-डी0सी0/2

अध्यक्ष : श्री पवन कुमार काजल जी आप क्या बोलना चाहते हैं?

श्री पवन कुमार काजल : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न में राष्ट्रीय उच्च मार्ग और हवाई अड्डों के विस्तारीकरण की बात चल रही थी। सरकार एयरपोर्ट को एक्सपेंड करने की बात कर रही है। इस एक्सपेंशन में 7-8 पंचायते जैसे गग्गल, इच्छी, डुगैहरी, सनोरा, मटोर, सोहरा आदि शामिल हैं। इनका सर्किल रेट अलग-अलग है। किसी पंचायत को 1.50 करोड़ रुपये मिल रहे हैं और किसी को कम मिले हैं। क्या सरकार वन प्रोजैक्ट वन कंपनसेशन करने पर विचार करेगी?

राजस्व मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले बताया कि सब जगहों पर यह फॉर्मूला नहीं लग सकता है। जमीन की अपनी किस्म है और उसके साथ नेशनल हाइवे या रूरल रोड हैं तो इन सब विषयों को ध्यान में रख कर किया जा सकता है। जो माननीय सदस्य बता रहे हैं उस पर विचार नहीं किया जा सकता।

23-02-2024/1120/एन0एस0-डी0सी0/3

प्रश्न संख्या : 1492

श्री होशयार सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न देहरा का ही नहीं बल्कि 5 विधान सभा क्षेत्रों से संबंधित है। जसवां-प्रागपुर, फतेहपुर, ज्वाली, नूरपुर और देहरा से संबंधित है। इस प्रश्न

का जवाब बहुत सुन्दर आया है और पढ़ने योग्य है। वाइल्ड लाइफ सेंक्चुअरि का नया ड्राफ्ट नोटिफिकेशन रेडी है।

आर0के0एस0 द्वारा--------जारी

23.02.2024/1125/RKS/DC-1

प्रश्न संख्याः 1492... जारी

श्री होशयार सिंह जारी....

a) number of tigers existing in this area? आपका जवाब जीरो आया कि वहां कोई टाइगर नहीं हैं। मगर जो ड्राफ्ट नोटिफिकेशन बनी है, पेज नं0- 21 कलॉज नं0-3 में लिखा गया 'all new tourism activity or expansion of existing tourism activity within the eco sensitive zone shall be in accordance with the guidelines issued by Central Government in the Ministry of Environment Forest Climate and guidelines issued by National Tiger Conservation Authority'. जब यहां कोई टाइगर ही नहीं हैं तो आप फिर टाइगर कंजर्वेशन अथोरिटी के क्लॉज क्यों लगा रहे हैं? नम्बर दो प्रश्न का बड़ा अच्छा उत्तर आया है (b) details of income of forest department in last 3 years in this Wild Life Sanctuary area? जवाब आया कि वर्ष 2020-21 में आय 8.80 लाख रुपये, वर्ष 2022-23 में घटकर 2.16 लाख रुपये और वर्ष 2023-24 में यह आय 2.36 लाख रुपये रह गई। इन्होंने दो सौ वर्ग किलोमीटर का एरिया लिया है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि 2 लाख रुपये तो साल में चाय वाला कमा लेता है। आपने इतना स्टाफ रखा है, करोड़ों रुपये तनख्वाह दे रहे हैं लेकिन वाइल्ड लाइफ वालों की 2.36 लाख रुपये आय हो रही है। आप ईको सेंसटिव जोन में 120 वर्ग किलोमीटर एरिया लेने जा रहे हैं। इस तरह आप जनता को क्यों मार रहे हैं? तीसरा प्रश्न यह है कि (c) details of tourists visiting Pong Dam Wild Life area? वर्ष 2020-21 में 4,900 रुपये आय थी, वर्ष 2022-23 में यह घटकर 2 हजार रुपये और वर्ष 2023-24 में 1700 रुपये रह गयी। इसके वाबजूद आप हम पर ईको

सेंसटिव जोन का बोझ डाल रहे हैं। अगला प्रश्न यह था कि वहां पर हर साल कितने पंछी आते हैं? वर्ष 2020-21 में 110 species के पंछी आये 110309, वर्ष 2022-23 में 108 species रह गए और पंछी आए 1,17,022 और वर्ष 2023-24 में सिर्फ 86 species रह गए और पंछी आए 83555 हजार। ये पंछी भी घट रहे हैं और टूरिस्ट भी घटते जा रहे हैं। मेरा आखिरी सवाल था कि उस डैम एरिया में कितने मैंग्रोव्स हैं? इसके जवाब में उत्तर आया है कि वहां कोई मैंग्रोव्स एग्जिस्ट नहीं करता है। पेज नं0.23 और ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के पेज नं0. 4 में लिखा गया है ' all activities in the eco sensitive zone shall be

23.02.2024/1125/RKS/DC-2

governed by the provision of Environment Act and Rules made there under including costal regulation zone'. अब कोस्टल रेगुलेशन जोन क्या होता है? जब पानी के अंदर कोई पेड़-पौधा नहीं हैं, कोई मैंग्रोव्स नहीं हैं, कोई दलदल नहीं है फिर आप कोस्टल रेगुलेशन जोन क्यों ला रहे हैं? I want to know what is the reason behind this? मेरा यह भी सवाला था कि इस पौंग में कितनी गउएं और भैंसे ग्रेजिंग करने के लिए आती हैं? आपका जवाब आया ' since no such study has been conducted so far, hence data is not available on the said subject'. इसका डाटा में दे देता हूं। 15 से 20 हजार गउएं और भैंसें वहां हर साल चरने के लिए आती हैं। आप हमारे किसानों को कल्टीवेशन नहीं करने देते। आप वहां डंडा लेकर खड़े हो जाते हैं। किसानों और ट्रैक्टर्ज वालों के ऊपर एफ.आई.आर. लॉज होती है। लेकिन गुज्जर, जम्मू, पंजाब और हरियाणा से गउएं और भैंसे लेकर वहां ग्रेजिंग करने आते हैं लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। आप इंसानों को रोकते हैं लेकिन जानवरों को वहां आने देते हैं। क्या वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी में गउएं और भैंसे अलाउड हैं?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो श्री होशयार सिंह जी ने सनसनी पैदा की है इसमें इन्होंने लिखित उत्तरों की कंप्लाइंस भेजी हैं। इन्होंने प्रश्न के 'ई' पार्ट की बात की कि जो ट्रांजिशन में गउएं और भैंसें आती हैं उसका डाटा नहीं रखा जाता है। क्योंकि ये विंटर में आते हैं इसलिए इसका डाटा नहीं होता। लेकिन जो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी की बात है,

हमारे टूरिज्म सैक्टर में कमी आई हैं, पहले जो बोटिंग के लाइसेंस थे वे पिछल डेढ़ साल में इश्यू नहीं किए गए। अब हमने टूरिज्म विभाग को ऑथोराइज कर दिया है कि वे लाइसेंस इश्यू करें और आने वाले समय में टूरिज्म विभाग लाइसेंस इश्यू करेगा।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

23.02.2024/1130/बी.एस./एच के/-1

प्रश्न संख्याः 1492 क्रमांगत....

मुख्य मंत्री जारी...

जो इनका मूल प्रश्न है उसमें जो मैंने समझा है, वह आपका इको सेंसिटिव जोन से मुख्य संबंध है। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह मानना है कि यह इको सेंसिटिव जोन घोषित नहीं किया गया है। हमारी सरकार इस पर विशेष ध्यान रखेगी और हमारे जो स्थानीय विधायक हैं, आदरणीय बिक्रम ठाकुर जी, आदरणीय चन्द्र कुमार जी और आदरणीय भवानी सिंह पठानिया जी भी इसस संबंध रखते हैं। उसमें हम फाइनल ड्रफ्ट करने से पहले मैं अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दूंगा कि हम इनसे भी व्यू प्वाइंट्स ले लें। अभी जो wildlife sanctuary पहले wildlife sanctuary का redetermination हो रहा है और हम चाह रहे हैं कि हम काफी एरिया को निकालना भी चाह रहे हैं। इसमें केन्द्र सरकार की गाइड लाइन्ज इतनी सख्त है, परंतु हम कोई-न-कोई प्वाइंट लगा करके अधिकारियों से इस बारे में बात-चीत कर रहे हैं। मैं सुबह आपको इसी विषय पर बात भी करना चाह रहा था परंतु आप व्यस्त थे और बात नहीं हो पाई। इस दृष्टिकोण से पहले wildlife sanctuary determination होगी उसके बाद Eco-sensitive Zone determination होगा उसके बारे में हम आपसे राय लेंगे जो स्पिसिस कम हुई हैं उसके क्या कारण है और पहले कितनी स्पिसिस आती थी उसकी हम पूरी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। परंतु जैसा माननीय सदस्य कह रहे हैं तो अवश्य कोई न कोई कमी रही होगी। मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि चाहे देहरा है, फरेहपुर है, ज्वाली है या जसवां-परागपुर के जितने भी जोन इसमें आएंगे हम सभी विधायकों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद आगे बढ़ेंगे और अभी तक कोई भी इस प्रकार की नोटिफिकेशन नहीं हुई है।

Speaker : Hon'ble Agriculture Minister, what do you want to say? You want to supplement the Hon'ble Chief Minister or you want to ask a question? How can you ask the question? Not allowed. ...(Interruption) Hon'ble Chief Minister has exhaustively replied and said that I will take all the MLAs into confidence whose areas fall in this Eco-sensitive Zone and thereafter limitations of the State Government as well as the Government of India will be determined and then

23.02.2024/1130/बी.एस./एच के/-2

they will come to a conclusion that what to be done further. This is what he has said. माननीय सदस्य, श्री भवानी सिंह पठानिया जी आप क्या कहना चाह रहे हैं।

श्री भवानी सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, ये जो पक्षी वहां पर आ रहे हैं, इनमें लगभग 80 प्रजातियां शाकाहारी हैं। यदि हम वहां पर खेती-बाड़ी को बंद कर दें, जैसा पिछले तीन-चार सालों से वहां पर बंद हो गई हैं there is a drastic decrease in the footfall of the birds. अगर खेती-बाड़ी बंद रही तो अगले तीन-चार सालों में जो wetland है wetland नहीं रहेगा। मेरा निवेदन यह रहेगा कि जो खेती-बाड़ी पहले होती थी उसे मान्यता देने की कृपा करें। आप देखेंगे कि पक्षियों की संख्या पहले के बराबर पहुंच जाएगी।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य इस बारे में मुख्य मंत्री जी ने बोल तो दिया that I will take into confidence all the Hon'ble MLAs जिनका एरिया इसमें लगता हैं और वहां पर क्या एक्टिविटी करनी है। मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाह रहे हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय भवानी सिंह पठानिया जी ने जो कहा है मैंने उस संबंधि में विभाग को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। इस बार वहां पर खेती-बाड़ी को मान्यता दे दी है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बिक्रम सिंह जी, आप क्या कहना चाहते हैं? आपके लिए तो मुख्य मंत्री जी ने कहा कि आपका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

श्री बिक्रम सिंह : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय होशयार सिंह जी ने यहां पर प्रश्न रखा है और जिस प्रश्न के माध्यम से इनकी चिंता है वह चिंता इको सेंसिटिव जोन की चिंता है। उसके कारण इन्होंने सारी चीजें पूछी हैं और ई सेंसिटिव जोन के बारे में आपने कहा है, वह यहां पर नहीं है। जो आप ड्राफ्ट में बता रहे हैं और शो कर रहे हैं जिसके कारण से वहां पर सिद्ध करने की कोशिश की जा रही है कि ईको सेंसिटिव ऐरिया बनना चाहिए और जिसके कारण हम जितने भी भाई यहां पर बैठे हैं, वहां पर हमारे किसानों को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। जो लोग वहां पर रहते हैं उन्हें वहां पर बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। मेरा निवेदन केवल इतना है कि इन सारे विषयों के ऊपर आप बोल तो रहे हैं, पिछली बार भी आपने कहा था कि हम सबके साथ बैठेंगे और आप सभी को बोल देते हैं कि आपके साथ

23.02.2024/1130/बी.एस./एच के/-3

बैठेंगे और आप मुझे लिख करके दे दो परंतु ये सब करना कब है? वहां पर कुछ हो गया तो उसे कौन रोकेगा। हमने भी आदरणी अनुराग ठाकुर जी से कहा था और आपने भी कहा है। उसके कारण से यह रूका है मुझे लगता है कि यह बहुत ही चिंतनीय विषय है और इसके ऊपर गहनता से विचार-विमर्श होना चाहिए। हमें इस तरफ बढ़ना चाहिए कि वहां पर इस तरह की कोई एक्टिविटी न हो जिसके कारण

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1135/DT/HK-1

प्रश्न संख्या 1492 जारी...

श्री बिक्रम सिंह जारी...

5-6 विधान सभा क्षेत्र लगते हैं, वहां के लोगों का नुकसान हो। इसके लिए चिंता आदरणीय मुख्य मंत्री जी को करनी चाहिए।

Speaker: I think Hon'ble Agriculture Minister just want to supplement the Hon'ble Chief Minister. He is not asking any supplementary but he is supplementing the Hon'ble Chief Minister.

माननीय कृषि मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र का भी बहुत सा इलाका कैचमेंट एरिया में आता है। जब वाइल्ड लाइफ वालों ने इको-सेंसटिव जोन की अधिसूचना की थी उस समय किसी से भी प्रकार के ऑब्जेक्शन्ज इनवाइट नहीं किए गए। इनको चाहिए था कि जो साथ लगते क्षेत्र के लोग हैं उनके ऑब्जेक्शन्ज इनवाइट करते और उसके बाद उसकी नोटिफिकेशन जारी करते। ये ठीक है कि इन्होंने इको-सेंसटिव जोन की नोटिफिकेशन कर दी है और ये भी आदेश कर दिए कि किसी भी मकान का नक्सा तब तक पास नहीं होगा जब तक आप इको-सिस्टम जोन की परमिशन नहीं लेंगे। इसलिए वह मैनडेटरी हो गया है। ये प्रोब्लम उन एरियाज में बहुत ज्यादा है क्योंकि मेरे विधान सभा क्षेत्र का बहुत सा हिस्सा कैचमेंट एरिया में आता है। ये रामसर साइट है उसको लिए कुछ नियम बने हुएं हैं। मेरे अनुसार इन्हें पहले वहां के स्थानीय लोगों की आपतियां लेनी चाहिए थीं और उसी के बाद इसकी नोटिफिकेशन होनी चाहिए थी। ये जो नोटिफिकेशन हुई है, वह विड्रा होनी चाहिए?

Speaker: Hon'ble Minister, your point has come now the Hon'ble Chief Minister will say something. I want to say that this whole process is required to be reviewed.

23.02.2024/1135/DT/HK-2

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री होशयार सिंह जी ने कल जब बजट पर चर्चा करते हुए जो मुद्दे उठाए थे, वे बड़े विस्तृत और अच्छे मुद्दे उनके द्वारा उठाए गए थे। माननीय सदस्य श्री बिक्रम सिह सनसनी फैला कर, जैसा इनका स्वभाव है, अपनी बात रखते हैं। मैं इनकी बात का स्प्ष्टीकरण देना चाहता हूं। मैं ये कहना चाहता हूं कि अभी इको-सेंसटिव जोंन की कोई नोटिफिकेशन नहीं हुई है जब हुई ही नहीं है तो उसे विड्रा करने की बात कहां से आ गई। पहले आप सुन लिया कीजिए। पहले वाइल्ड लाइफ सैंचुरीज की बाउंडरीज का रि-डिटरमिनेशन किया जाएगा। अभी तो बात चल रही है और उसके बाद ही इको-सेंसटिव जोंन को बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। अभी इसमें किसी प्रकार की नोटिफिकेशन नहीं हुई है। पिछले दो-चार साल से ये केस चल रहा था।

लेकिन हमनें इसको रूकवाया। पहले वाइल्ड लाइफ सैंचुरी की नोटिफिकेशन होगी उसके संदर्भ में अगर आपके पास कुछ सुझाव है तो आप प्रधान अरण्यपाल को दे सकते हैं। उसके बाद ही इको-सेंसटिव जोन आएगा। इको-सेंसटिव जोन की किसी भी प्रकार की नोटिफिकेशन नहीं हुई है। इस प्रकार की बात करना गलत बात है। जब माननीय सदस्य ने प्रश्न किया उसके उत्तर में भी मैंने कहा। इसलिए मेरा आग्रह है कि विपक्ष के हमारे साथी हमारी बात ध्यान से सुना करें तो पूरा उत्तर इनको समझ भी आ जाएगा।

23.02.2024/1135/DT/HK-3

प्रश्न संख्या 1493

श्री विपिन सिंह परमार (प्राधिकृत): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी जानना चाहता हूं कि जो मैंने प्रश्न किया था उसका काफी विस्तार से आपने उत्तर दिया। एक महत्वकांक्षी योजना प्रधान मंत्री जी द्वारा जल जीवन मिशन के नाम से पूरे देश में शुरू की गई थी और उसमें चाहे पेयजल योजनाओं की रिमॉडलिंग हो, चाहे ओवर हैडज टेंक बनाने हो, चाहे हमारे सोर्सिज को रिजनरेट करने हो, उसके लिए कोशिश की गई। मैं प्रश्न के उत्तर में मैं देख रहा हूं कि 6,75,892 घरों में इस प्रकार के कनेक्शन लग चुके हैं। एक बात जो मैं जानना चाहता हूं वह है कि ये जल जीवन मिशन केंद्र प्रायोजित योजना है तो क्या ये योजना की इस वर्ष एक्सटेंड होने की संभावना है,

श्री एन.जी.द्वारा जारी

23-02-2024/1140/वाई.के.-एन.जी/1

प्रश्न संख्या - 1493.....जारी

श्री विपिन सिंह परमार.....जारी

दूसरा, मैं जानना चाहता हूं कि जो कंटिन्यूज़ स्कीम्ज़ हैं, क्योंकि कईं जगह ऐसा लग रहा है कि परकुलेशन वैल बन गए, ओवर हैड टैंक बन गए या नलके लग गए लेकिन अभी तक काम पूर्ण नहीं हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जनना चाहता हूं कि मेरे थुरल मण्डल में 37 से ज्यादा योजनाएं स्थापित हैं और अधिकतर गांवों में पिछले एक साल से नलके नहीं लगे हैं तो आने वाले दिनों में कितने नलके लगना प्रस्तावित हैं? क्या मंत्री जी के पास इस प्रकार की कोई जानकारी उपलब्ध है? हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग मण्डलों में जल जीवन मिशन के तहत कितनी योजनाएं प्रस्तावित हैं? मंत्री जी क्या यहां पर हमें आश्वस्त करेंगे कि जब तक पूरी योजना फंक्शनल नहीं हो जाती तब तक उस योजना का काम करने वाले ठेकेदार को विभाग एन.ओ.सी. नहीं देगा ताकि योजना का लाभ समाज में लोगों को मिल सके।

उद्योग मंत्री (प्राधिकृत) : अध्यक्ष महोदय, जल जीवन मिशन वर्ष 2019 में शुरू हुआ था। हिमाचल प्रदेश में इसका सर्वे वर्ष 2021 में किया गया था। जिसमें हिमाचल प्रदेश के 17,09,000 घर चिन्हित हुए। इन घरों में से 7.63 लाख घरों को नल प्रदान कर दिया गया था और 9.46 लाख घरों को पानी का कनैक्शन नहीं मिला था। हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2019-20 में 2.71 लाख कनैक्शन दिए गए थे। आपने जो प्रश्न पूछा है उसके अनुसार हिमाचल प्रदेश में 3 सालों के अंदर 6,75,892 कनैक्शन्ज़ दिए गए थे। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में अभी 1,748 योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। इनमें 610 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और 1138 योजनाओं पर कार्य चल रहा है। इन सभी योजनाओं के लिए 6,391 करोड़ रुपये की डी.पी.आर्ज़. बनाई गई थी। इन योजनाओं के अगेंस्ट हमें 4,989 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं और इनमें से 4,814 करोड़ रुपये खर्च भी हो चुके हैं।

अभी हमारे पास 175 करोड़ रुपये बचा हुआ है। अभी तक 1138 योजनाएं अधूरी हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार व जल शक्ति विभाग ने भारत सरकार से 2000 करोड़ रुपये मांगे हैं ताकि इन अधूरी योजनाओं को पूर्ण कर लिया जाए। हमें उम्मीद है कि यह पैसा हमें चरणबद्ध रूप में मिल जाएगा। **जैसे-जैसे हमारे पास पैसा आता रहेगा वैसे-वैसे इन अधूरी स्कीम्ज़ को पूरा करवाते रहेंगे।** हिमाचल प्रदेश में सभी घरों को नल कनैक्शन दे दिए गए

हैं जिनकी संख्या 17,09,000 है। मैंने भी विभाग से प्रश्न किया था कि जब हम गांवों में जाते हैं तो वहां पर लोग कहते हैं कि हमें कनैक्शन नहीं मिला है, इसका क्या कारण है? मुझे विभाग के अधिकारियों ने अवगत करवाया कि जो परिवार का मुखिया है उसके नाम से उसके घर को कनैक्शन दे दिया है और उसे आधार के साथ लिंक कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में ऐसे कई घर हैं जहां भाई-भाई एक ही जमीन में अलग-अलग जगहों पर रहते लेकिन वह परिवार तो एक ही होता है। ऐसे परिवारों में मुखिया के नाम से एक कनैक्शन दे दिया गया है। मैंने विभाग को कहा है कि ऐसे परिवारों को चिन्हित किया जाए और इन्हें भी पानी के कनैक्शन दे दिए जाएं।

माननीय सदस्य श्री विपिन सिंह परमार ने सुलह विधान सभा क्षेत्र के संदर्भ में पूछा है और मेरे पास पूरी डीटेल है जोकि मैं आपको उपलब्ध करवा दूंगा। आपके क्षेत्र में 21 योजनाएं स्वीकृत हुई थीं

श्री टी.सी.वी. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1145/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

प्रश्न संख्या : 1493 ... क्रमागत्

उद्योग मंत्री ... जारी

जो 105 करोड़ रुपये की थी जिसमें से 9 स्कीमें पूर्ण हो चुकी हैं और 11 प्रगति पर हैं। 4 योजनाएं ए0डी0बी0 और 2 योजनाएं एस0ई0डी0बी0 में रिपोर्ट की गई है।

श्री सुख राम चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जल शक्ति विभाग का जो वृत्त मण्डल नाहन है इसकी सूचना इस प्रश्न के उत्तर में विस्तार से नहीं दी गई है। मैं जानना चाहता हूं कि जल शक्ति विभाग के वृत्त मण्डल नाहन के तहत कितनी-कितनी स्कीमें स्वीकृत की गई, कितनी कंप्लीट हो गई है और कितनी इन-कंप्लीट है? इस वृत्त मण्डल में प्रति मण्डल कितने-कितने कनेक्शन सैंक्शन हुए थे, कितने लग गए हैं और कितने पेंडिंग हैं? पूर्ण ब्योरा दिया जाए।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, वृत्त और मण्डलवार विस्तृत डिटेल मेरे पास उपलब्ध है। मैं इसकी पूरी सूचना इनको उपलब्ध करवा दूंगा। पांवटा-साहिब विधान सभा चुनाव क्षेत्र में 28 करोड़ रुपये की 19 योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। इनमें से 14 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं व 5 योजनाएं प्रगति पर है। इस विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 22632 घरों में नल लगाने प्रस्तावित थे जोकि लगा दिए गए हैं। कई घर छूट भी गए हैं लेकिन अभी कई स्कीमें इन-कंप्लीट हैं। इनके लिए हमने 2000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है जैसे ही यह पैसा आएगा इन स्कीम्ज को भी कंप्लीट कर दिया जाएगा।

अध्यक्ष : क्या इन स्कीमों को एक्सटेंड किया जा रहा है या नहीं?

Industries Minister : Hon'ble Speaker, Sir, It is an ongoing scheme and has not finished. It is an ongoing scheme and we have demanded 2000 crores Rupees for the State. लेकिन जो 911 स्कीम्ज हैं वे तो तब कंप्लीट होंगे जब इनके लिए भारत सरकार से हमें 2000 करोड़ रुपये आएगा। Jal Jeevan Mission is the government added project and it will be completed when money will come.

अध्यक्ष : इसके लिए जो समय निर्धारित था वह तो खत्म हो गया है तो now we don't know that whether this Mission is being extended by the Government of India or not?

23.02.2024/1145/टी0सी0वी0/वाई0के0-2

Industries Minister : Hon'ble Speaker, Sir, it is being extended. The works of many schemes are ongoing, about 911 schemes are yet uncompleted.

Speaker : Hon'ble Minister, whether they are considering it or not?

Industries Minister : Hon'ble Speaker, Sir, they are considering it. मैंने एक और बात कही थी कि हिमाचल प्रदेश में पाइपों की बहुत शॉटेज हैं। जल शक्ति विभाग में आधे और पौने इंच की पाइपें नहीं हैं। मैं माननीय सदन को बताना चाहता हूं कि विभाग द्वारा 16689 मैट्रिक टन पाइपें 155 करोड़ रुपये की आ गई है। **इसके अलावा 9270 मैट्रिक टन**

ऑर्डर प्लेस किया है जोकि 81 करोड़ रुपये का है और वे भी जल्दी ही आ जाएंगी। इसलिए हिमाचल प्रदेश में आधी और पौने इंच की पाइपों की कमी को शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

श्री दलीप ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैंने जल जीवन मिशन के तहत कितने नल लगे हैं उसकी जानकारी मांगी थी। कुछ ऐसी पंचायतें हैं जहां अभी तक नल नहीं लगे हैं और कुछ ऐसे घर हैं जिनके पास आज तक नल ही नहीं है। मैंने इसके लिए विभाग के अधिकारियों से भी इसके बारे में बात की थी। आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी उनको नल नहीं मिले हैं। मैंने जैहमत पंचायत के बारे में विभाग के एक्सीयन को भी कहा था। लेकिन अभी तक कोई नल नहीं लगा है। जल जीवन मिशन के तहत साल, डेढ़ साल से टैंक बने हुए हैं लेकिन उनको कनेक्शन नहीं गए हैं। यदि उनमें पानी नहीं डाला जाएगा तो नलकों में कहां से पानी आएगा? मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि जो एरिया छूट गए हैं उनमें कब तक नल लगेंगे और जो टैंक बन गए हैं उनमें कब पानी के कनेक्शन दे दिए जाएंगे क्योंकि गर्मियां आने वाली है। इसलिए इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित करने की कृपा करें कि इन टैंकों में कब तक पानी डाल दिया जाएगा?

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है, इनके चुनाव क्षेत्र में 192 करोड़ रुपये की 18 योजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें से एक योजना पूर्ण कर ली गई है और 17 योजनाएं प्रगति पर हैं। इनके निर्वाचन क्षेत्र में 36671 घरों को पानी का कनेक्शन दे दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और एड करना चाहता हूं।

एन0एस0 .. द्वारा जारी

23-02-2024/1150/एन0एस0-डी0सी0/1

प्रश्न संख्या : 1493 ------क्रमागत

उद्योग मंत्री ------जारी

इस स्कीम का 90 प्रतिशत कार्य पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है। हम उस समय विपक्ष में थे और उस समय हम बोलते थे कि कनैक्शन नहीं मिला। सर, इनके चुनाव क्षेत्र में शत प्रतिशत कनैक्शन दे दिए गए हैं। यह समस्या हर चुनाव क्षेत्र में है। अब

कागजों में तो वे आइडैंटिफाई कर गए। हैड ऑफ फेमिली के नाम से आधार से जोड़ कर कनैक्शन दे दिए गए हैं लेकिन एक भाई कहीं रह रहा है और दूसरा भाई कहीं रह रहा है। ऐसे बहुत सारे घर हैं जो गांव से बाहर रह रहे हैं और उनको कनैक्शन नहीं मिला है। ये स्थिति हिमाचल प्रदेश के 68 के 68 चुनाव क्षेत्रों में है। हमने कहा है कि जो घर छूट गए हैं और जल जीवन मिशन के अंदर जो स्कीमें पूरी नहीं हुई हैं तो उसमें केंद्र से जैसे ही पैसा आएगा उस आधार पर इन स्कीमों को पूरा कर दिया जाएगा। हम नए कनैक्शन दोबार से आइडैंटिफाई करेंगे और जो घर लेफ्ट आउट हैं उनको वाटर कनैक्शन देने की कोशिश करेंगे।

श्री दलीप ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, जिस टैंक की मैं बात कर रहा हूं वह टैंक एक साल से बनकर बिल्कुल तैयार है लेकिन इस टैंक में न पानी डाला जा रहा है और न ही कनैक्शन दिया जा रहा है जबकि लाइन बिछ गई है। जब कनैक्शन नहीं देंगे और पानी टैंक में नहीं डालेंगे तो नलकों में पानी कहां से आएगा? मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन टैंकों में कब पानी डाला जाएगा और कब कनैक्शन दिए जाएंगे?

उद्योग मंत्री : माननीय सदस्य मैं आपको आपके क्षेत्र की स्कीमों की डिटेल दे दूंगा। आपके क्षेत्र की स्कीमों का 80 प्रतिशत, 90 प्रतिशत, 50 प्रतिशत और 40 प्रतिशत कार्य हुआ है। इनका आगे का कार्य फंड्ज की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। जब भारत से 2000 करोड़ रुपये आएंगे तभी कार्य कर पाएंगे। पूर्व सरकार के समय में भारत सरकार को 1748 स्कीमें प्रपोज की गई थीं और इन स्कीमों के अंगेस्ट 4989 करोड़ रुपये आए। इन स्कीमों को कंप्लीट करने के लिए 2000 करोड़ रुपये की और जरूरत है। माननीय सदस्य मैं आपको सरकाघाट की स्कीमों की डिटेल दे दूंगा। यह डिटेल स्कीमवाइज है और कब तक पूर्ण होगी इसमें सारा बताया गया है।

23-02-2024/1150/एन0एस0-डी0सी0/2

प्रश्न संख्या : 1494

श्री केवल सिंह पठानिया (प्राधिकृत) : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न इंदौरा विधान सभा क्षेत्र में 108 एंबुलेंस से संबंधित है। इंदौरा से जब 108 एंबुलेंस चण्डीगढ़ जा सकती है तो मेरा मूल

प्रश्न यही है कि एमरजेंसी में रात को इंदौरा से पठानकोट में इतने बड़े-बड़े होस्पिटल हैं और वहां से 6-7 किलोमीटर की दूरी है तो क्या विभाग विचार करेगा कि अगर एमरजेंसी में किसी को जरूरत हो और अगर मरीज को पठानकोट ले जाना चाहें तो क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे कि एमरजेंसी में मरीज को 108 एंबुलेंस में पठानकोट ले जाने की अनुमति दी जाएगी।?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न माननीय सदस्य ने पूछा है, वह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। केंद्र के जितने भी प्रोजैक्ट्स हैं इनमें भारत सरकार की गाइडलाइन्ज के अनुसार पॉपुलेशन के आधार पर ही नेशनल एंबुलेंस सेवाएं जैसे 108 मिलती हैं। इनका हम अपने क्षेत्र से बाहर के लिए केवल डॉक्टर के परामर्श के बाद पी0जी0आई,चण्डीगढ़ तक परमिशन

आर0के0एस0 द्वारा--------जारी

23.02.2024/1155/RKS/DC-1

प्रश्न संख्याः 1494.... जारी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री.... जारी

देते हैं और इसके लिए डॉक्टर्ज भी अलाउ कर सकते हैं लेकिन इसके बाहर सेवाओं का उपयोग करना नियम के अनुसार नहीं है।

श्री केवल सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, अगर कहीं किसी की जान पर पड़ी हो तो स्वास्थ्य सेवाएं इसीलिए हैं। अगर पठानकोट नजदीक है तो जनहित में क्या वहां तक सुविधा पहुंचाने के लिए विभाग विचार करेगा? अगर ये सेवाएं चंडीगढ़ तक है तो फिर इन्दौर और कंढवाल वाला इलाका जो पठानकोट के नजदीक है क्या इन क्षेत्रों के लोगों को भी यह सुविधा मिलेगी? आपने पठानकोट होस्पिटल की एम्पैनलमेंट की है या तो विभाग उस एम्पैनलमेंट को कैंसल कर दे या फिर वहां सेवाएं उपलब्ध करवाएं। जब चिकित्सा प्रतिपूर्ति की बात आती है तब तो एम्पैनलमेंट की बात होती है। भारत सरकार ने

पठानकोट, जालंधर और अमृतसर के अस्पतालों की एम्पैनलमेंट का प्रावधान किया है लेकिन 6 किलोमीटर के दायरे में यह एम्बुलैंस क्यों नहीं भेजी जा सकती? मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या भारत सरकार द्वारा इस प्रकार की कोई नोटिफिकेशन जारी की गई है?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, अगर इमरजेंसी में हमें कोई सेवा देनी पड़ें तो इस पर सरकार विचार करेगी और केंद्र सरकार से भी इस बारे में परामर्श किया जाएगा। हम नियमावाली के विपरीत इस विषय पर केंद्र सरकार से बात करेंगे और इस सेवा को उपलब्ध करवाने के लिए विचार करेंगे।

23.02.2024/1155/RKS/DC-2

प्रश्न संख्या : 1495

श्री प्रकाश राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि खुड्डी टू मण्डी वाया लडभड़ोल, गोलुआं वाला रूट बंद हुआ है। दूसरा, जोगिन्द्रनगर से भराड़ू, छाम्ब का रूट भी बंद हुआ है। तीसरा, जोगिन्द्रनगर, सैंथल और चौकी-त्रामट रूट बंद हुआ है। चौथा, बैजनाथ-लडभड़ोल, खड़िहार-नेरी-हरिद्वार रूट भी बंद हुआ है। पाचवां रूट धर्मपुर से वाया नेरी, लडभड़ोल, गोलुआं, जटेड़ और बैजनाथ भी बंद हुआ है। मैंने माननीय विधायक श्री चंद्र शेखर से भी बात की थी कि इस बस को धर्मपुर से चला दिया जाए लेकिन अभी तक यह बस नहीं चली है। हमारे दो रूट ट्रांसफर कर दिए गए हैं। जोगिन्द्रनगर से हरिद्वार और जोगिन्द्रनगर से गुड़गांव रूट ट्रांसफर कर दिए गए हैं। ये दो रूट और चार बसें बैजनाथ के लिए ट्रांसफर कर दी गई हैं। जोगिन्द्रनगर से 16 इम्प्लॉइज ट्रांसफर कर दिए गए हैं। यह रूट ट्रांसफर हुए हैं लेकिन ये बसें यात्रियों को लेने के लिए हर दिन बैजनाथ से जोगिन्द्रनगर आती हैं लेकिन वापसी में यात्रियों को बैजनाथ ही ड्रॉप कर दिया जाता है।

नगर एंव ग्राम योजना मंत्री (प्राधिकृत) : अध्यक्ष महोदय, जो सूचना उपलब्ध करवाई गई है उसके मुताबिक कोई रूट बंद नहीं हुआ है लेकिन तीन रूट अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित किए गए हैं। जो आपने जोगिन्द्रनगर-हरिद्वार और जोगिन्द्रनगर-गुड़गांव रूट की बात की है तो ये रूट पहले भी बैजनाथ से चलते थे। लेकिन जब जोगिन्द्रनगर नया यूनिट बना तो इन रूटों को जोगिन्द्रनगर ट्रांसफर कर दिया गया था। जोगिन्द्रनगर में वर्कशॉप नहीं है।

जब लम्बे रूट की बसिज आती है तो उनकी माइनर मेंटिनेंस के लिए वर्कशॉप की जरूरत रहती है इसलिए इन रूटों को बैजनाथ ट्रांसफर किया गया है। इन रूटों को बैजनाथ ट्रांसफर करने के बाद प्रति किलोमीटर आय में भी बढ़ोतरी हुई है। जोगिन्द्रनगर-गुड़गांव रूट में पहले 39.14 रुपये प्रति किलोमीटर आय थी लेकिन जब इस रूट को बैजनाथ शिफ्ट किया गया तो 42.04 रुपये आय हुई। जोगिन्द्रनगर-हरिद्वार रूट में पहले 40.01 रुपये प्रति किलोमीटर आय थी लेकिन जब इस रूट को बैजनाथ शिफ्ट किया गया तो 42.11 रुपये आय हुई है। आपने कहा कि वापसी में बस जोगिन्द्रनगर नहीं जाती है तो वापसी में सवारियां बहुत कम होती हैं जिस कारण उसकी प्रति किलोमीटर आय गिर जाती है इसलिए इस रूट को बंद किया गया है। लकिन वहां पर जो कनैक्टिंग बसिज हैं आप उनकी सुविधाएं ले सकते हैं। धन्यवाद। **श्री बी.एस.द्वारा जारी**

23.02.2024/1200/बी.एस./एच के/-1

श्री प्रकाश राणा : अध्यक्ष महोदय, यह बस बैजनाथ से सीधा हरिद्वार जा रही है, बैजनाथ से सुबह यह जोगिन्दर नगर सवारियां लेने के लिए खाली आती है। अगर इसे बैजनाथ से डायरेक्ट गुड़गांव या हरिद्वार जाए तो यह माना जा सकता है परंतु यह सुबह खाली आती है। यह सोचने की बात है कि ये 22-23 किलोमीटर खाली चल रही है। मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसा नही है कि आपकी सरकार आई तो बसों के रूट्स की खत्म कर दिए जाएं। मेरा वहां से परिवहन विभाग के 16 कर्मचारी भी चले गए हैं। इसके साथ ही आप वहां से चार बसें ले गए।

Speaker : Hon'ble Minister whether you want to reply.

आयुष मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले कहा कि वहां पर वर्कशाप की सुविधा नहीं है। इस वजह से उसे माइनर रिपेयर के लिए उसे वहां रोकना पड़ता है। **लेकिन इसमें कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती है तो उसकी संभावनाएं तलाशेंगे और जैसा आपका सुझाव है उसके ऊपर विचार किया जाएगा।**

प्रश्नकाल समाप्त

23.02.2024/1200/बी.एस./एच के/-2

Point of order

Speaker : ...(Interruption) Take your seats please. Point of Order has been raised by Shri Lokender Kumarji. He is allowed to speak, rest of the Hon'ble Members you all please sit down. What is your Point of Order?

श्री लोकेन्दर कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरा दिनांक 21 फरवरी, 224 को इस सदन में एक प्रश्न था। बरसात के समय आनी के अन्दर हमारा नुकान हुआ और वहां पर 8-9 घर गिर गए थे। वहां एन.एच. में सारा मलबा आ गया था फिर उस मलबे को हटाया गया हटाने के बाद उसको नदी के किनारे में फैंका गया। मैंने विभाग से पूछा था कि यह गलत है या सही तो उन्होंने जवाब दिया कि हमने इसे नहीं फैंका है और जिसने फैंका उसका मुझे भी मालूम नहीं कि किसे टैंडर दिए गए और किसने वह मलबा फैंका परंतु जिन लोगों के घर चले गए वे तो पहले ही पीड़ा में है। उनके तो मकान चले गए हैं। उनका करोड़ो रुपये का नुककसान हो गया है। वहां पर वन विभाग ने उन्हें फिर से दो-दो लाख रुपये के नोटिस दे दिए हैं कि आपकी डी.आर. दो-दो लाख रुपये की कटेगी। मैं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि मिट्टी को तो कहीं-न-कहीं फैंकना था और वहां पर मलबा नदी के किनारे फैंका हुआ है और वह पूरी आनी के लिए खतरा बना हुआ है। मैं यह चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी विभाग को आदेश करके उसकी चैनलाइजेशन कर दें। ताकि जब आने वाली बरसात होगी तो मलबा वहां से बह जाएगा और पूरा आनी खतरे में आ जाएगा और वहां पर बहुत ज्यादा नुकसान हो जाएगा।

Speaker : Hon'ble Chief Minister would you like to reply. मुख्य मंत्री महोदय।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैंने वहां खुद भी दौरा किया है, जो माननीय सदस्य ने प्वाइंट्स बताए हैं उन पर विचार किया जाएगा।

Speaker : Your Point of Order has come. ..(Interruption) माननीय सदस्य कृपया बैठ जाइए। मैंने आपको समय दे दिया है और आपने इश्यू रेज कर दिया है। इस पर मुख्य मंत्री जी ने कहा कि मैं इस पर विचार करूंगा। आप इसी में प्वाइंट ऑफ आर्डर पर आगे-

आगे नहीं बोल सकते। हमारी विधान सभा के कुछ नियम हैं, यदि आप इस पर और चर्चा चाहते हैं तो इसे नियम-61 और 62 के अन्तर्गत सदन में ला सकते हैं, I will allow that. अब माननीय सदस्या रीना कश्यप जी अपनी बात रखेंगी।

23.02.2024/1200/बी.एस./एच के/-3

श्रीमती रीना कश्यप : अध्यक्ष महोदय, आप हमेशा हमारी बात सुनते हैं, यह घटना सिरमौर जिला की है और ये नाहन विधान सभा से संबंध रखती है। मुझे ये बात इसलिए कहनी पड़ी क्योंकि यह महिला से संबंधित है। नाहन की चेयमैंन जिसके द्वारा एक पार्किंग का उद्घाटन किया गया परंतु 20 मिनट के अंदर ही वह पट्टिका उतार दी गई। मुख्य मंत्री जी ने यहां पर कहा था कि कोई भी सरकारी मानदेय ले रहा हो वह उद्घाटन कर सकते हैं और मुख्य मंत्री जी आप बहुत ही नेक दिल के इंसान हैं और महिला की बात तो आप अवश्य सुनेंगे। मेरा आपसे निवेदन रहेगा कि जो उद्घाटन की पट्टिका है, उसे दोबारा से वहां पर लगाया जाए।

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी, इस पर क्या कहना चाहेंगे। आपने पहले ही इस पर अदेश दे दिए हैं कि जिन पट्टिकाओं को तोड़ा गया है उन्हें लगा दिया जाए।

23.02.2024/1200/बी.एस./एच के/-3

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा है कि किसी भी विधायक या पूर्व विधायक की जो पट्टिका लगी हुई होगी जब उसका कार्यकाल रहा होगा और कहीं नगर पंचायत या नगर परिषद की भी पट्टिका लगी होगी और किसी ने तोड़ भी दी होगी उन्हें पुनः लगा दिया जाएगा।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1205/डीटी/एच के-1

अध्यक्ष : श्री विनोद सुल्तानपुरी जी आप क्या व्यवस्था का प्रश्न पूछना चाहते हैं?

श्री विनोद सुल्तानपुरी : अध्यक्ष महोदय, कौशल्या बांध बारिशों के कारण गिर गया था। इस बांध को हिमुडा ने बनाया है लेकिन इसमें टेक्निकल इशू यह आ रहा है कि इसमें नेशनल हाइवे के मक ने इस पूरे बांध को तोड़ दिया है। इसको रिपेयर करना इसलिए जरूरी है क्योंकि जो मासिव पोपुलेशन परवाणु और एडज्वाइनिंग एरिया की है उनके पास रेजरवायर और पानी का कोई साधन नहीं है। आने वाला समय गर्मियों का समय है लेकिन हमारे पास परवाणू को पानी देने का कोई सिस्टम नहीं है। तकसाल और सुरोंडिंग गांव में 15-15 दिन बाद पानी आ रहा है। इस पर कोई नीति नहीं बनाई है। मेरा अनुरोध है कि इस बांध को हिमुडा द्वारा बना दिया जाए या फिर जल शक्ति विभाग को दे दिया जाए।

अध्यक्ष : आपका व्यवस्था का प्रश्न आ गया है। माननीय राजस्व मंत्री जी।

राजस्व मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपने व्यवस्था के प्रश्न में समय-समय पर बहुत से विषयों पर बोलने का मौका दिया जबकि व्यवस्था के प्रश्न का मकसद कुछ और है। मेरा सुझाव है कि अगर आप इतने लिबरल है तो जीरो ऑवर शुरू किया जाए। क्योंकि जो विपक्ष के सदस्य प्वाइंट ऑफ ऑर्डर के नाम पर प्रश्नकाल को समाप्त कर देते हैं उससे बचा जा सके।

अध्यक्ष : नेगी जी जीरो ऑवर अंडर कंसीड्रेशन है। श्री अजय सोलंकी जी आपका क्या प्वाइंट है।

श्री अजय सोलंकी : सर, जो हमारी बहन रीना कश्यप जी ने विषय कहा है मैं इस पर बोलना चाहूंगा।

अध्यक्ष : आप अपना प्वाइंट ऑफ आर्डर बोला।

श्री अजय सोलंकी : मैं इसी विषय पर क्लैरिफिकेशन चाहूंगा।

अध्यक्ष : अगर आपका कोई प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है तो ठीक है अन्यथा मैं आपको बोलने की इज्जाजत नहीं दूंगा।

23.02.2024/1205/डीटी/एच के-2

श्री अजय सोलंकी : सर, मैं इसी विषय पर बोलना चाहूंगा।

अध्यक्ष : मैं इसकी अनुमति नहीं दूंगा। कृपया आप अपना स्थान ग्रहण करें। अब माननीय मुख्य मंत्री जी कागजात सभा पटल पर रखे जाएंगे।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं कागजात सभा पटल पर रखने से पहले यह कहना चाहूंगा कि श्री अजय सोलंकी जी मेरे पास आए थे, इन्होंने कहा था कि गवर्नमेंट की एक नोटिफिकेशन है जिसमें आपने मुझे 1 करोड़ रुपये से ऊपर की परमिशन दी है। गवर्नमेंट ने जो एक करोड़ रुपये से ऊपर की परमिशन दी है वहां माननीय विधायक को अनुमति दी गई है। वहां जबरदस्ती कोई अपनी पट्टिका लगाता है तो वह गैर-कानूनी है।

अध्यक्ष : ठीक है। अब आप कागजात सभा पटल पर रखें।

23.02.2024/1205/डीटी/एच के-3

कागज़ात सभा पटल पर

अध्यक्ष : अब मुख्य मंत्री कुछ कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेजों की एक-एक प्रतिसभा पटल पर रखता हूंः-

(i) भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवाएं), विशेष कार्यकारी अधिकारी (अर्थोपाय), ग्रुप-ए (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2023 जोकि अधिसूचना संख्याः कार्मिक (स.प्र.से.-I)-ए (3)-1/2023, दिनांक 09.11.2023 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 16.11.2023 को प्रकाशित;

(ii) हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध अधिनियम, 2005 की धारा 8 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध (संशोधन) नियम, 2024 जोकि अधिसूचना संख्याः वित्त-जी-ए (3)1/2018-पार्ट-I, दिनांक

14.02.2024 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 5.02.2024 को प्रकाशित; और

(iii) भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग का गठन जोकि अधिसूचना संख्याः कार्मिक (एपी-बी) ए(1)-1/2023, दिनांक 30.09.2023 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्रमें दिनांक 03.10.2023 को प्रकाशित।

अध्यक्ष : अब शिक्षा मंत्री कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग, सहायक निदेशक(अभिलेखागार), ग्रुप-ए, भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2024 जोकि अधिसूचना संख्याःएल0सी0डी0-बी0(1)-2/2020, दिनांक 08.02.2024 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 09.02.2024 को प्रकाशित, की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

23.02.2024/1205/डीटी/एच के-4

अध्यक्ष : अब ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश ग्रामीण विकास विभाग, वरिष्ठ सहायक (प्रगति), ग्रुप-बी, भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2024 जोकि अधिसूचना संख्याः आर डी-ए (3)-2/2023, जोकि दिनांक 15.02.2024 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 19.02.2024 को प्रकाशित, की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

23.02.2024/1205/डीटी/एच के-5

सदन की समितियों के प्रतिवेदन

अध्यक्ष : अब सदन की समितियों के प्रतिवेदन सभा पटल पर रखे जाएंगे। अब श्री

सुधीर शर्मा, सभापति, प्राक्कलन समिति, प्राक्कलन समिति के प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे।

श्री सुधीर शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से, प्राक्कलन समिति के निम्न प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूंः-

(i) समिति का द्वितीय मूल प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) जोकि प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत ट्रामा केयर सेंटर की संवीक्षा पर आधारित तथा स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित है;

(ii) समिति का तृतीय मूल प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) जोकि प्रदेश में पिछड़ा क्षेत्र विकास कार्यक्रम की संवीक्षा पर आधारित तथा योजना विभाग से सम्बन्धित है; और

(iii) समिति का चतुर्थ कार्रवाई प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 21वें मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (2021-22) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर विभाग द्वारा कृत्त कार्रवाई पर आधारित तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से सम्बन्धित है।

अध्यक्ष : अब श्री सतपाल सिंह सत्ती, सदस्य, जन प्रशासन समिति, प्रन प्रशासन समिति के प्रतिवेदन की प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे।

श्री सतपाल सिंह सत्ती : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से, जन प्रशासन समिति, (वर्ष 2023-24), समिति का तृतीय कार्रवाई प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) जोकि मांग संख्याः 4 के अन्तर्गत पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय वर्ष 2021-22 की अनुदान मांगों पर आधारित 17वें मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (2020-21) पर विभाग द्वारा कृत कार्रवाई पर आधारित, की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

श्री एन.जी.द्वारा जारी

23-02-2024/1210/वाई.के.-एन.जी/1

विधान सभा कार्य-सलाहकार समिति का प्रतिवेदन

अध्यक्ष : अब माननीय श्री संजय रत्न, कार्य-सलाहकार समिति के पंचम् प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) को सभा में प्रस्तुत करेंगे तथा प्रस्ताव भी करेंगे कि इसे अंगिकार किया जाए।

श्री संजय रत्न : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य-सलाहकार समिति के पंचम् प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) को सभा में प्रस्तुत करता हूं तथा प्रस्ताव भी करता हूं कि इसे अंगिकार किया जाए।

अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि यह माननीय सदन कार्य-सलाहकार समिति के पंचम् प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) में कई गई सिफ़ारिशों से सहमत है।

तो प्रश्न यह है कि यह माननीय सदन कार्य-सलाहकार समिति के पंचम् प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) में की गई सिफ़ारिशों से सहमत है?

प्रस्ताव स्वीकार।

गैर-सरकारी सदस्य कार्य

अध्यक्ष : आज गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस है और माननीय सदन में चर्चा हेतु गैर सरकारी संकल्प रखे जाएंगे। माननीय सदस्य, श्री चैतन्य शर्मा द्वारा दिनांक 21-12-2023 को संकल्प प्रस्तुत किया गया था और आज माननीय शिक्षा मंत्री उसका उत्तर देंगे। वह संकल्प इस प्रकार से है :- "This House resolves that the State Government should formulate a policy to appreciate the importance of Hosting and Promote Foreign Universities to set up partnerships and research labs with existing Institutions." अब माननीय शिक्षा मंत्री, इसका उत्तर देंगे।

23-02-2024/1210/वाई.के.-एन.जी/2

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के पिछले सत्र के दौरान इस माननीय सदन के सबसे युवा विधायक श्री चैतन्य शर्मा जी ने शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण व

सार्थक प्रस्ताव इस माननीय सदन में प्रस्तुत किया था। पिछले सत्र के दौरान इस प्रस्ताव पर मैं उत्तर नहीं दे पाया था। इस प्रस्ताव का मुख्य स्वरूप इस प्रकार से है :- "This House resolves that the State Government should formulate a policy to appreciate the importance of Hosting and Promote Foreign Universities to set up partnerships and research labs with existing Institutions."

अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही सार्थक विचार है। आज पूरा विश्व एक कुटुम्ब के रूप की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। हर क्षेत्र में सहयोग व समन्वय बहुत महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार से शिक्षा भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें चाहे केन्द्र सरकार की बात हो या प्रदेश सरकार की बात हो, अपनी-अपनी ओर से पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। मैं माननीय विधायक व इस माननीय सदन को बताना चाहता हूं कि यू.जी.सी. द्वारा इसके लिए एक निश्चित फ्रेम वर्क बनाया गया है। जिसके माध्यम से हमारे foreign education institutions को भारत वर्ष में स्थापित किया जा सकता है। Off-campus institutions के रूप में और साथी ही हमारे भारत वर्ष तथा foreign education institutions के बीच में partnership collaboration भी की जा सकती है। इसके बारे में यू.जी.सी. द्वारा मई-2022 में गाइडलाइन्ज़ घोषित की गई थी। जिसके माध्यम से हमारे प्रोग्राम, चाहे Dual Degree Programme की बात हो, Joint Degree की बात हो, Twinning Courses की बात हो, इन सभी कोर्सिस के लिए यू.जी.सी. से अनुमति मांग सकते हैं। इसी के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश स्तर के विश्वविद्यालय जोकि ऑटोनोमस बॉडीज़ हैं, वे भी अपने स्तर पर foreign universities or institutions के साथ एम.ओ.यूज़ साइन कर सकती है। उदाहरण के तौर पर

श्री टी.सी.वी. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1215/टी0सी0वी0/वाई0के0-1
शिक्षा मंत्री ... जारी

हमारी हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ने अतीत में लगभग 4 एम0ओ0यूज0 भिन्न-भिन्न फॉरेन इस्टिच्यूशन्ज के साथ किए हैं। Higher Education Institutions are encouraged to enter into collaborating activities, complying the relevant norms and Regulations. इनकी जो एक्टिविटीज हैं वे भी इस माननीय सदन के समक्ष रखना चाहूंगा। Student exchange programme for short-duration visits to reputed universities abroad Semester-abroad programmes under Twinning Arrangement. Faculty members are encouraged to get exposure to foreign universities in exchange programme, short-term projects etc. Guidelines for Internationalization of Higher Education. Expanding strategic research partnership with international Higher Education Institutions. Organizing academic and research workshops, seminar and conferences in partnership with international universities. Collaborating with alumni (both students and faculty) at various foreign universities for academic and research activities. Formation of knowledge partnership i.e, a network of individual researchers who contribute knowledge, experience, resources and participate in two-way communications. Establishment of Chairs abroad in the name of eminent Indian scientists/scholars and philosophers. प्रदेश सरकार हमारे फॉरेन इंस्टिच्यूशन्ज के साथ ऑफ कैंपस इंस्टिच्यूशन्ज यहां पर स्थापित हो, प्रदेश सरकार उसका स्वागत करेगी उनको प्रोत्साहित भी करेगी। हमारी जो यूनिवर्सिटी या जो अन्य हायर एजुकेशन इंस्टिच्यूशन्ज हैं उनकी साझेदारी, उनकी पार्टनर्शिप फॉरेन इंस्टिच्यूशन्ज के साथ हो इसका भी हम स्वागत करेंगे। The State Government will pro-actively encourage and support such activities. अभी हाल में पहली दफा प्रदेश से 102 टीचर्ज को फॉरेन विजिट पर बाहर भेजा जा रहा है। जिसके माध्यम से उनको वर्ल्ड लैवल की बेस्ट ट्रेनिंक की सुविधाएं उपलब्ध होगी ताकि वे एक नई सोच के साथ गुणवत्ता शिक्षा के क्षेत्र में आए, यह वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है। मैंने जो उत्तर इस माननीय सदन में दिया है, उसको ध्यान में रखते हुए, मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे युवा विधायक अपने इस संकल्प को वापिस लेंगे।

23.02.2024/1215/टी0सी0वी0/वाई0के0-2

अध्यक्ष : तो क्या माननीय सदस्य अपना संकल्प वापिस लेने के लिए तैयार है। माननीय सदस्य श्री चैतन्य शर्मा जी मंत्री महोदय ने जो आग्रह किया है कि एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू हो गए हैं और अभी भी बहुत सारे टीचर्ज एक्सचेंज प्रोग्राम में सिंघापुर गए हैं। In view of the suggestions from the Hon'ble Minister, whether you proposes to withdraw your Resolution or you want to say something?

श्री चैतन्य शर्मा : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मंत्री जी ने इस माननीय सदन में जो विस्तृत उत्तर के साथ-साथ आश्वासन दिया है उसके लिए मैं शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। जो हमारे मुख्य संसदीय सचिव हैं उन्होंने भी मुझे इसके बारे में अगवत करवाया था। जैसा अभी मंत्री जी ने कहा कि टीचर्ज को एक्सपोजर विजिट पर भेजा गया है, यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, मैं संकल्प वापिस लूंगा लेकिन इसमें मेरा एक सुझाव है कि जो हम एक्सपोजर प्रोग्राम को आगे विकसित करने की बात कर रहे हैं, एक्सचेंज प्रोग्राम जो राज्य सरकार की online of UGS पॉलिसी है उसकी भी बात कर रहे हैं। मैं इतना ही चाहूंगा कि चाहे हमारी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय हो या एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पालमपुर हो, इसके लिए पायलट बेसिज पर एक प्रोजैक्ट शुरू हो जाए ताकि आने वाले वक्त में यदि कोई पॉलिसी इस आधार पर डवलप हो तो हमारे पास एक सैंपल टेस्ट जरूर हो। यह आने वाले एकेडमिक ईयर के लिए एक एक्सचेंज प्रोग्राम हो। I am sure a lot of foreign universities and even good state run universities in the country, may be even private universities, will be ready for this. अगर हमारी सरकार पायलट बेसिज पर ऐसा कदम उठा सके तो बहुत अच्छी बात होगी। इसी सजैशन के साथ मैं अपना संकल्प वापिस भी लूंगा। धन्यवाद।

Speaker : Hon'ble Education Minister you want to say something?

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के जो सार्थक सुझाव होंगे उन पर विभाग जरूर विचार करेगा।

Speaker : I will put to the vote. तो क्या माननीय सदन की अनुमति है कि संकल्प वापिस लिया जाए?

प्रस्ताव स्वीकार

संकल्प वापिस हुआ।

एन0एस0 .. द्वारा जारी

23-02-2024/1220/एन0एस0-डी0सी0/1

अध्यक्ष महोदय ------जारी

इससे पहले कि माननीय सदस्य भवानी सिंह पठानिया जी और जो यहां वरिष्ठ सदस्य हैं, I would like to inform the Hon'ble House that today in the Visitor Gallery students from Bishop Cotton School are here and some students from ITI Chaura madian are also here to see the proceedings. They are very proud that 6 MLAs from Bishop Cotton School are here and Hon'ble Member Shri Bhawani Singh is also one of the old Cottonian and he will be heard by his old School.

Shri Bhawani Singh Pathania: Hon'ble Speaker Sir "this House resolves to formulate policy to improve infrastructure for mental health patients in the State."

अध्यक्ष : संकल्प प्रस्तुत हुआ कि "this House resolves to formulate policy to improve infrastructure for mental health patients in the State". सदस्य चर्चा में भाग लेंगे तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री इस चर्चा का उत्तर देंगे। अब मैं श्री भवानी सिंह पठानिया जी से अनुरोध करूंगा कि वे अपना संकल्प प्रस्तुत करें।

श्री भवानी सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, ये जो आज का विषय है इसकी पब्लिक डोमेन में इतनी बात नहीं की जाती है क्योंकि हिंदुस्तान में यह मेंटल हैल्थ के साथ स्टिग्मा अटैक है। सनातन धर्म को मानने वाले एक बात जरूर मानेंगे कि 84 लाख योनियों में जन्म लेने के बाद जब आपको मनुष्य की योनी प्राप्त होती है तो ऐसे क्या कारण हैं कि मनुष्य उस योनी को त्यागने के लिए आत्महत्या करके अपने शरीर को छोड़ कर जाने के लिए विवश हो जाता है? मैं यहां पर कुछ आंकड़े रखना चाहूंगा। यह आत्महत्या के आंकड़े हैं

और हिंदुस्तान ग्लोबल सुसाइड का लगभग 21 प्रतिशत कंट्रीब्यूट करता है। 1 लाख डैथ्स per 12 डैथ्स सुसाइड की हैं। ये आंकड़ा इंडिया के अंदर वर्ष 1967 के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। Suicide in all categories of people चाहे वह अमीर, गरीब किसान, छात्र या सभ्रांत परिवार का सदस्य हो तो सुसाइड रेट में वृद्धि बहुत ही चिंता का विषय है। अगर हम सुसाइड को stand alone पर देखेंगे तो इसका कारण सीधा मेंटल हैल्थ के साथ

23-02-2024/1220/एन0एस0-डी0सी0/2

जुड़ा हुआ है। यह क्यों जुड़ा हुआ है? भारत वर्ष में एक आंकड़े के हिसाब से लगभग 6-7 करोड़ सीरियस मेंटल हैल्थ पेशेंट्स एग्जिस्ट करते हैं। अगर आप माइनर कंडीशन्ज देखें तो एक स्टडी के अनुसार हर 5 भारतीयों में एक भारतीय के अंदर मेंटल हैल्थ के सिम्प्टम हैं। हिमाचल प्रदेश की कुल जनसंख्या लगभग 75 लाख के आसपास है। इस छोटे से प्रदेश के अंदर भी लगभग 15 लाख मेंटल हैल्थ पेशेंट आज एग्जिस्ट करते हैं जिनके बारे में न तो शायद उनको पता होगा, न उनके माता-पिता को पता होगा और न समाज को पता होगा। उसी डाटा या जनसंख्या यानी 20 प्रतिशत की जनसंख्या को विधान सभा के अंदर एक्सट्रापॉलेट करके देखूं तो 68 में से 15-16 लोग हो सकता है किसी-न-किसी मानसिक रोग या बीमारी से शायद इस हाउस के अंदर भी ग्रसित हों। इसको एडमिट करना और इसके बारे में बात करना एक टैबू है। इसमें एक ऐसा स्टिग्मा अटैच है कि हम इसके बारे में बात नहीं करना चाहते। जब हम बात नहीं करना चाहते तो क्या होता है कि जब गांव में एक व्यक्ति गुमसुम होकर कहीं बैठ जाता है तो उसको यह नहीं बोलते हैं कि उसको कोई बीमारी है। तब यह कहा जाता है कि इसको जादू-टोना कर दिया गया है या उसको देवता लगा दिया गया है। मेरा प्वाईंट है कि पहला, मेंटल हैल्थ के बारे में अवेयरनैस दूसरा, मेंटल हैल्थ के सिम्प्टम क्या हैं? तीसरा, मेंटल हैल्थ की ट्रीटमेंट के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर क्या चाहिए?

आर0के0एस0 द्वारा--------जारी

23.02.2024/1225/RKS/DC-1

श्री भवानी सिंह पठानिया... जारी

नम्बर फोर हिमाचल प्रदेश में मेंटल हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर कहां पर है? नम्बर फाइव हमें मेंटल हैल्थ का इंफ्रास्ट्रक्चर इतना रोबस्ट बना देना चाहिए कि आज नहीं तो तीन साल के भीतर this should become the best Sate in terms of mental health treatment in the Country. मैं आपको मेंटल हैल्थ के कुछ सिम्प्टम्स के बारे में बताना चाहूंगा। मेंटल हैल्थ की जो पांच मेन बीमारियां मानी जाती हैं उनमें सबसे पहले डिप्रेशन है। डिप्रेशन वह अवस्था है जब इंसान अपने भूतकाल के बारे में सोचता है। आप अपने आपको जितना भूतकाल में इमर्ज करेंगे तो आपको डिप्रेशन का मरीज माना जाएगा। दूसरी बीमारी anxiety disorder की है। Anxiety disorder वह डिसऑर्डर होता है कि भविष्य में क्या होगा, हम उसके बारे में इतना सोचते हैं कि मैं भविष्य में मंत्री बनूंगा, मुख्य मंत्री बनूंगा, प्रधान मंत्री बनूंगा और कल को मेरा क्या होगा, ये एंग्जाइटी डिसऑर्डर है। तीसरा bipolar disorder है। Bipolar disorder is combination of both depression and anxiety. हो सकता है आपकी डिप्रेशन स्टेज ज्यादा एक्टिव हो लेकिन इसमें आपके एंग्जाइटी डिसऑर्डर इमर्ज होकर आते हैं। Schizophrenia is another disorder. Eating डिसऑर्डर एक छोटा सा डिसऑर्डर है लेकिन इससे ग्रस्त लोग भी बहुत ज्यादा है और यह भी एक किस्म का मेंटल डिसऑर्डर है। अगर हर पांच में से एक हिन्दुस्तानी किसी-न-किसी मानसिक रोग का सिम्प्टम शो कर रहा है तो जो सन् 1950 से पहले हमारे पिता जी करते थे हम उन्हीं के व्यवसाय को फोलो करते थे। किसान का बेटा किसान, अध्यापक का बेटा अध्यापक और फौजी का बेटा फौजी बनता था। लेकिन अब सोसायटी में एक मासिव टर्न आया है उसमें रूरल पॉपुलेशन की माइग्रेशन अर्बन सेंटर्ज में गई है और इसकी वजह से एक सोशल डिसऑर्डर क्रिएट हुआ है। पहले ज्वाइंट फैमिली सिस्टम होता था। एक परिवार में 20-25 लोग होते थे और बच्चे ऑटोमेटिकली पल जाते थे। उस फैमिली के अंदर दादियां-चाचियां काउंसलर बन जाती थी। लेकिन जब न्यूक्लियर फैमिली का ब्रेक-अप हुआ है तो आज किसी के पास एक-दूसरे के साथ बात करने का समय नहीं है। जो एक जमाने में ज्वाइंट फैमिली का इमोशनल सुपोर्ट होता था वह टूट चुका है। तीसरी चीज यह है कि जो कंजम्प्शन और ग्लोबलाइजेशन का इरा है उससे इतनी ज्यादा प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है कि हर व्यक्ति दूसरे से ज्यादा तेज भागना चाह रहा है, हर व्यक्ति दूसरे से ज्यादा

सफल होना चाह रहा है। इस होड़ में हम अपने मैंटल पीस को साइड में रखकर अग्रेसिवली कंपीट कर

23.02.2024/1225/RKS/DC-2

रहे हैं। चौथा अगर आप देखें growing aspiration of rural India, 50-60 साल पहले हमें पता था कि हमें क्या करना है लेकिन जब आज एक बच्चा अपने मोबाइल में देखता है कि मुम्बई में बैठा एक व्यक्ति अपने प्राइवेट प्लेन में जा रहा है तो वह सोाचता है कि मेरे पास यह संसाधन क्यों नहीं है? उसकी इच्छा होती है कि मुझे भी ऐसा बनना है लेकिन जब हम उस स्टेज में नहीं पहुंच पाते तो एक परसेपशन गैप क्रिएट हो जाता है that also causes a lot of anxiety, a lot of distress and lot of depressive cases जोकि बहुत बड़ा कारण है। मां-बाप को लगता है कि जब तक बच्चा 99 प्रतिशत मार्क्स नहीं लेकर आया तो उसकी जिंदगी में कुछ नहीं होगा। आप कोटा की कोचिंग क्लासिज को देखिए। वहां हर साल सुसाइड की घटनाएं बढ़ रही हैं। जिन बच्चों की पूरी जिंदगी उनके सामने हैं अगर हम उनके अंदर मानसिक रोगों को देखें percentage will be far higher than the rest of the countries. ये कुछ ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से मेंटल हैल्थ इश्यू क्रिएट हो रहे हैं। मेंटल हैल्थ इश्यू इस तरीके से बढ़ रहे हैं कि 30 per cent of the total global suicide contribution is from India which is very huge number. सोशल स्टिग्मा एक बहुत बड़ी चीज है क्योंकि आज भी यह माना जाता है कि मानसिक रोग कोई भी हो उसके बारे में आपको किसी से बात नहीं करनी है। क्योंकि लोगों को यह लगता है कि शायद इसमें कोई समस्या है। शरीर में दिमाग एक ऐसा ओर्गन है जोकि पूरे शरीर को चलाता है। मेर पेट में दर्द होगी तो मैं दवाई खा लूंगा, मैं डॉक्टर को भी बता दूंगा। अगर मुझे ब्लड प्रेशर होगा तब भी मैं डॉक्टर के पास जाकर सलाह ले लूंगा। लेकिन जैसे ही मेंटल बीमारी की बात आती है तो यह स्टिग्मा अटैच हो जाता है। इसके लिए अवयनेस की जरूरत तो है ही लेकिन मेरा प्वाइंट उसके बाद स्टार्ट होता है। जब एक बार हमने एकनोलेज कर लिया कि

श्री बी.एस.द्वारा जारी

23.02.2024/1230/बी.एस./एच के/-1

श्री भवानी सिंह पठानिया जारी...

एक जो हमारा रोगी है, उस रोगी को मदद की जरूरत है और मदद की जरूरत के लिए उन्हें कहां जाना है, मदद के लिए उसे अस्पताल में जाना है, मेरे पास कौन सा अस्पताल मौजूद है। मेरे पास इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े अस्पताल में सिविल अस्पता हो, मेरा जोनल अस्पताल होगा, उसके बाद मेरा एक मैडिकल कॉलेज होगा। लेकिन जब मैं वहां पर जाने की कोशिश करता हूं तो वहां पर देखता हूं कि क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है? अगर आप देखेंगे the mental health is not like other diseases कि आप ऐ विशेषज्ञ के पास गए। उसने आपको ठीक कर दिया यह एक three-tier approach है I Pair no.1 is diagnosis and meditation ये psychiatrist के अधिकार क्षेत्र में आता है। एक psychiatrist आपको डायग्नोज करेगा कि आपको कौन सी बीमारी है और उस बीमारी की आपको कौन सी दवाई देनी है। दवाई के साथ-साथ तब तक इलाज पूरा नहीं होता जब तक counselling or therapy न हो। Counselling and therapy यह एक स्पेशलाइज जोब है। यह स्पेशलाइज जोब न केवल एक मानसिक रोगी को लेकिन हमारे बच्चों को जैसे वे 8वीं या 10 में पढ़ने वाले है वहां भी काउंसलिंग की आवश्यकता है। हमारे जो diagnose patients है उन्हें काउंसलिंग की आवश्यकता है। हमारे जेल के अन्दर जो कैदी हैं उन्हें काउंसलिंग की आवश्यकता है। यह जो काउंसलिंग की जरूरत है, यह बहुत ही एसेंशियल जरूरत पड़ती है ...(घंटी)...तीसरी चीज जो है वह social rehab teaching.

अध्यक्ष : विपक्ष की और ज्यादा घंटी बजाने की जरूरत है I This is a very important topic which is being discussed in this august House and the most of the Hon'ble Members they are either in the gallery or they are not attentive. I am sorry to say. आपके विपक्ष के बैंचिज तो बिल्कुल खाली पड़े हैं, केवल चार माननीय सदस्य बैठे हैं।

श्री भवानी सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने बोला combination of psychiatrist, psychologist, pro-counsellors and social workers ये तीन इन्फ्रास्ट्रक्चर हमें अस्पतालों में चाहिए, हमारे शिक्षा संस्थानों में ये हमें चाहिए और जेलों के अन्दर ये सब जगह पर काउंसलर और सोशल वर्कर्ज की जरूरत है। लेकिन आज हम

23.02.2024/1230/बी.एस./एच के/-2

यदि सट्रक्चर देखें तो सट्रक्चर में क्या-क्या है। मेरे ख्याल से किसी भी अस्पताल में न तो मनोचिकित्सक और न ही काउंसलर है। उसके अलावा हम देखेंगे कि मैडिकल कॉलेजिज में भी मनोचिकित्सक होंगे। अगर आप इसके आंकड़े देखेंगे तो डवलप कंट्री के अन्दर doctor and patient ratio, there are 6 doctors to 1 lakhs patients. परंतु भारत के अन्दर यह जो आंकड़ा है यह .004 प्रतिशत doctors per 1 lakh patients of mental health. So, what I propose is or what I want to resolve कि मैंटल हैल्थ के बारे में हम जागरुक कर पाएं या न कर पाएं बाकी suicide help lines हम कर पाएं परंतु तीन चार चीजें हमें अवश्य करनी चाहिए। First thing that we should start doing is to create adequate post and adequate infrastructure कि जब किसी व्यक्ति हो यह मालूम होता है कि मैं एक मैंटल हैल्थ मरीज हूं और मुझे मैंटली हैल्थ की आवश्यकता है। जब वह हैल्प लेने जाए वह उसे मिल जानी चाहिए। And we cannot escape by saying that कि हमारे पास तो पोस्ट ही क्रिएट नहीं है। मेरा बोलने का मतलब है कि पहली चीज अवेयरनेस, अवेयरनेस यह है कि यह एक क्या मैंटल हैल्थ एक इश्यू है? मेरा यह मानना है कि यह एक बड़ा इश्यू है और यह इश्यू इतना बड़ा है कि आज हम सिर्फ tip of the iceberg देख रहे हैं। आज हम देख रहे हैं कि 20 प्रतिशत हिन्दुस्तनी 15 लाख हिमाचली या 15-20 विधायक इस सदन में बैठक कर किसी-न-किसी मानसिक रोग से ग्रस्त है।

(माननीय सभापति श्री संजय रत्न पदासीन हुए)

शुआत हम अपनी डिस्पेंसरी से कर सकते हैं can we begin with a counsellor in the Vidhan Sabha dispensary. But on a serious note point no.1 क्या मैं इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रिएट कर सकता हूं। What I am proposing is the post of psychologist in every

civil hospital. सर, जो हम आदर्श संस्थान की बात कर रहे हैं। हम हड्डी टूटने का डॉक्टर उसमें बोल रहे हैं, सर्जरी का डॉक्टर वहां होगा। लेकिन दिमाग जो पूरे शरीर का संचालन करता है उसका डॉक्टर नहीं होगा। मेरा पहल प्वाइंट यह है कि in Himachal Pradesh post of psychiatrist should be created in every civil hospital and above. दूसरा जो आपके काउंसलर पोस्टें हैं और ये जो आउंसलर की पोस्ट मनोविज्ञानी से ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्योंकि काउंसलर न केवल इलाज का काम करता है परंतु रिहैबिलिटेशन

23.02.2024/1230/बी.एस./एच के/-3

और प्रिवेंशन में भी काम करता है। हमें इसकी पोस्ट मैडिकल कॉलेजिज में, जोनल अस्पतालों में, सिविल अस्पतालों में और जेल के अन्दर भी चाहिए। हर जेल के अन्दर काउंसलर की पोस्ट हम क्रिएट कर लेते हैं। तो समाज में यह बहुत बड़ा रिर्फोम क्रिएट करेगा।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1235/DT/HK-1

श्री भवानी सिंह पठानिया जारी

रिहेबिलिटेशन में काम करता है लेकिन काउंसलर प्रिवेंशन में काम करता है। तो काउंसलर को मेडिकल कॉलेजिज में, जोनल हास्पिटल में, सिविल हास्पिटल में और इसके अतिरिक्त हर जेल के अंदर अगर काउंसलर की पोस्ट हम क्रिएट कर लेते हैं, तो सामाजिक सुधार में बहुत बड़ी सहायता करेगा and I would also recommend that in every education block one counsellor either in part time or full time must be posted. क्योंकि आप देखेंगी जो बच्चों के अंदर मानसिक रोगों की समस्या आ रही है इसके ए0डी0एच0डी0 डिसआर्डर का मैक्सिमम प्रभाव हैं। अगर इसको समय रहते हम इसे डायग्नोज करते हुए इसका उपचार कर दें तो ये कल को डिप्रेशन या एंग्जाइटी में कंनवर्ट नहीं होता। First of all it is necessary to create the posts of the

counsellors and psychologists और जो मुफ्त की दवाइयां हम अपने हास्पिटल में दे रहें हैं, इसके अंदर medication for mental health, this also should be formulated a part of that. Finally, we have a golden opportunity to make Himachal one of the best destination and one of the best State in terms of mental health और इसमें हमें कुछ ज्यादा करने की आवश्यकता नहीं है। जैसा मैंने आपको कहा कि समस्या बहुत बड़ी है एक बहुत ही बड़ा चैलेंज हमारे सामने है। हमको सबसे पहले ये करना है कि हम आइडेंटीफाइ करें कि क्या हम पोस्ट क्रिएट कर सकते हैं और अगर एक बार पोस्ट क्रिएट कर दी तो उसके बाद जो अगला लेवल है उसमें चाहे दो या तीन साल लग जाए लेकिन that would a step in the right direction. मेरे हिसाब से हम अपनी भावी पीढ़ी के लिए ये एक बहुत बड़ी धरोहर छोड़ कर जा सकते हैं। Everyone has their own focus on rest of the health issues, but mental health is something which is practically has got ignored everywhere. But today I feel the biggest impact or the biggest threat for our future generation is mental health and the mental wellbeing.

सभापति महोदय, आपने समय दिया, आपका धन्यवाद।

सभापतिः अब इस संकल्प में माननीय सदस्य डॉ0 हंस राज जी अपने विचार रखेंगे।

23.02.2024/1235/DT/HK-2

डॉ0 हंस राजः सभापति महोदय आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। A very good concept has been brought by the Hon'ble Member Shri Bhawani Singh Pathaniaji on the mental and improvement in its infrastructure.

सभापति महोदय, मैं भी श्री भवानी जी के द्वारा प्रस्तुत संकल्प पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं जिस समाज शास्त्री अध्यपाक की पृष्ठभूमि से आता हूं और उसमें मेंटल हैल्थ, मेंटल हाईजीन जैसे व्यवहारों पर उस तरह से बात नहीं करते जिस तरह से बाद में डाक्टरज करते हैं। हमारा संदर्भ सीधा समाज के ऊपर ही होता है कि एक व्यक्ति,

जिसप्रकार से भवानी पठानिया जी कह रहे थे और इन्होंने बहुत सारे विषय बहुत विस्तार से बता दिए, उसमें इन्होंने बहुत सहीं कहा और जब मैं समाज शास्त्र पढ़ाता था तो मेंटल हैल्थ को कैसे ट्रीट किया जाए इस बात की ओर ध्यान देने को कहते थे। समाज में जब बहुत सारे अवसाद पैदा होते हैं और जो हमारा सामाजिक व्यवहार, चाहे वह भावानात्मक हो चाहे संज्ञात्मक हो, व्यावहारात्मक चीज से हम किस तरह व्यवहार करें। जब हम अपने आपको समाज में स्थापित नहीं कर पाते है चाहे सामाजिक तरीके से हो या आर्थिक तरीके से या फिर चाहे राजनीतिक तरीके से हो या जब हम एकदम से किसी और अवधारणा में चले जाते हैं, जैसे आधुनिकीकरण की और हम चले जाते हैं जैसा की आज का वर्तमान समाज चला गया है या फिर प्रतिस्पर्धा का दौर इतना बढ़ जाए कि व्यक्ति अपने आप को बहुत पीछे महसूस करने लग जाता है। यहां मैं माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गढकरी जी का संदर्भ दे रहा हूं एक बार वह जयपुर में किसी स्थान में बोल रहे थे उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति को टिकट नहीं मिली होती है तो वह चिंता करता है कि मुझे टिक्ट कहां से मिलेगी और जब टिकट मिल जाती है तो उसे यह चिंता लग जाती है कि क्या मैं विधायक बनूंगा या नहीं बनूंगा। अगर वह व्यक्ति विधायक बन जाए तो वह सोचता है कि सरकार बनेगी या नही बनेगी और अगर सरकार बनेगी तो क्या मुझे सरकार स्थान मिलेगा या नहीं; और अगर मंत्रालय मिलेगा तो वह कब तक मेरे पास रहेगा? अगर मंत्रालय के बाद मुख्य मंत्री बनने का स्टेप आता है तो वह कब तक रहेगा? ये हमारा भी मेंटल सेट-अप है की मंत्री बनने के बाद मुझे विभाग कौन सा मिलेगा? चाचा चौधरी जी को इस बारे में सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि इनको बहुत अच्छा विभाग मिल

23.02.2024/1235/DT/HK-3

गया है। मेरा जो व्यक्तिगत मानना है जब-जब आपका पारिवारिक परिदृश्य या परिवेश बदला है या पारिवारिक संबंधों में गिरावट आई है, तो कहीं-न-कहीं पर व्यक्तियों की जो मानसिकता है या उनकी मनोस्थिति है उसमें कहीं- न-कहीं पर व्यवधान पैदा होता है। मैं इसका सीधा-सीधा उदाहरण ये देता हूं आप देखिए जिस परिवार में सभी लोग वर्किंग हैं

मतलब मैं भी काम करता हूं, मेरी पत्नी भी काम करती है, मेरे पिताजी भी काम करते हैं, माता जी भी काम करती हैं

श्री एन.जी.द्वारा जारी

23-02-2024/1240/वाई.के.-एन.जी/1

डॉ0 हंस राज.....जारी

वहां पर लोगों के संबंध जैसे मॉर्डन टाइम में हम देखें तो केवल व्हट्सएप्प व फेसबुक और सोशल मीडिया तक ही सीमित रह गए हैं। हम एक कमरे में रहते हैं और परिवार दूसरे कमरे में रहता है। हम उसे आवाज न लगाकर व्हट्सएप्प मैसेज या कॉल करते हैं। जब तक हम अपनी समस्याओं को डिस्कस नहीं करेंगे तब तक उसका समाधान नहीं हो सकता। सबसे बड़ी विडम्बना तो यह है कि जैसे-जैसे समाज का विस्तारीकरण हुआ या थोड़ा-थोड़ा मॉर्डनाइजेशन का कंसेप्ट आया, वर्ष 2006-07 तक मैं स्वयं स्टडी कर रहा था तो जब हम शिमला या जम्मू जाते थे तो हम लोगों की ड्रेसिंग सेंस व व्यवहार देखते थे और उनकी गाड़ियों को देखते थे। तब हम कहीं-न-कहीं थोड़ी देर के लिए फ्रस्ट्रेटिड हो जाते थे। उसके बाद जब हम लोग पीछे मुड़ कर देखते थे कि हमारे दादा जी या पिता जी और हमारे समाज ने तो हमें आत्मसंतुष्टि का कंसेप्ट दिया है। आत्मसंतुष्टि एक ऐसा कंसेप्ट है जोकि आज के समाज से बिलकुल बाहर चला गया है। आज स्कूलों में ही बहुत प्रतिस्पर्धा हो गई है। मेरे पास दो बेटियां व एक बेटा है। उन पर एक तो यह दबाव रहता है कि हमने डॉक्ट्रेट कर ली तो वे क्या करेंगे। दूसरा, वे एक राजनीतिज्ञ के बच्चे हैं तो लोगों की भी नज़रे उन पर रहती हैं। राजनीतिज्ञ के बच्चों को ज्यादातर माना जाता है कि या तो ये वकील बनेगा या फिर डॉक्टर बनेगा। हम राजनीतिज्ञ अपने बच्चों पर प्रैक्टिकली ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते क्योंकि हमारी अनेक मजबुरियां हैं। We are working for 24X7. यह एक ऐसा प्रोफेशन है जिसमें हम लगातार काम करते हैं। हम अपना फोन रात को भी बंद नहीं कर सकते क्योंकि कभी भी कोई भी कॉल आ सकती है। आप सोच सकते हैं कि हम

सब किस मेंटल स्थिति में रहते हैं। हमें इस बात की भी चिंता रहती है कि एक डी.ओ. मुख्य मंत्री जी को दिया है और पता नहीं वह अप्रूव होगा या नहीं होगा। इसके अलावा कार्यकर्ताओं का प्रेशर भी होता है, वे कहते हैं कि तुम्हारी तो चल ही नहीं रही है। ज्यादातर ऐसी समस्या तो सत्तापक्ष के लोगों को रहती है।

23-02-2024/1240/वाई.के.-एन.जी/2

आज के समय में मैं मुख्य मंत्री जी को देख रहा हूं तो वे यहां पर थोड़ी देर के लिए रहते हैं और उसके बाद उन्हें 27 तारीख याद आ जाती है तो वे भी यहां से बाहर चले जाते हैं। It is a part of gaming. हमारा व्यवहार कैसा हो इसके लिए मैं कुछ तकनीक ढूंढ़ता हूं। हम वेदों में भी इन्हें पढ़ा करते थे। हमारे लोग कई बार इन बातों का विरोध भी करते हैं कि जो व्यक्ति भौतिकवादी दृष्टिकोण नहीं रखता वह कामयाब केसै होगा। लेकिन भौतिकवादी दृष्टिकोण के साथ-साथ आपको कैसे मॉर्डनाइजेशन की ओर जाना है, इसी में आज के बच्चे उलझ कर रह गए हैं। मैंने देखा है कि बच्चे बहुत अच्छे-अच्छे एग्ज़ाम क्वालिफाई करते हैं और अच्छी पोस्टों पर चले जाते हैं। इस सब के बाद भी कुछेक तलाक ले लेते हैं और कुछेक की अपने माता-पिता के साथ नहीं बन पाती। मैंने कईं आई.ए.एस., एच.ए.एस. व आई.पी.एस. देखे हैं। इस प्रकार के कईं राजनीतिज्ञयों के भी उदाहरण हैं। वे बैलेंस नहीं बिठा पाते। उसका एकमात्र कारण यह है कि परिवारों का जो स्पोर्ट होना चाहिए वह नहीं मिल पाता। मैंने एक स्टडी की है और उस पर मैं एक किताब भी लिख रहा हूं। आने वाले 10 सालों में हमारी चिंताएं अलग प्रकार की होंगी। पहले जब एक जिला में उपायुक्त को नियुक्त किया जाता था तो उनसे उम्मीद की जाती थी कि जिला में जो चीजें चल रही हैं उन्हें व्यावहारिक रूप में गांवों तक लेकर जाएंगे। जब से मोबाईल आ चुके हैं तब से सैल्फी का और लाइव आने का बड़ा महत्व हो गया है। आप कुछ भी कर रहे हैं तो उसका व्याख्यान 10 हज़ार जगहों पर करते हैं। इससे उस व्यक्ति की भी उलझनें बढ़ी हैं और जो देख रहे हैं उनकी भी बढ़ी हैं। मैं कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार की राजनीतिक

व प्रशासनिक इंटरवेंशन होनी चाहिए वह नहीं हो रही है। हम सभी लोग, चाहे 1 प्रतिशत, 2 प्रतिशत या 25 प्रतिशत होंगे, लेकिन किसी-न-किसी स्ट्रैस में चले हुए हैं और किसी-न-किसी मेंटल परिस्थिति को फेस कर रहे हैं। माननीय सदस्य श्री भवानी सिंह पठानिया जी ने जो कहा, मैं उसे बड़े ध्यान से सुन रहा था। उन्होंने कहा कि

श्री टी.सी.वी. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1245/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

डॉ0 हंस राज... जारी

Counsellor जो है first of all that is the family वह हो सकता है and next one is the surroundings neighborhood. जो जैल्स फील करता है कि आपने फॉर्चूनर कैसे ले ली, इतना बड़ा घर कैसे बना लिया। लेकिन वे व्यावहारिक नहीं होते हैं कि इसके लिए उसकी साधना और परिश्रम कितना लगा होगा। इस साधना और परिश्रम में बैलेंस बैठाने का कंसैप्ट क्या था वह हम समझा ही नहीं पाए हैं। पिछले कल एक अध्यापक ने मेरे ऊपर कॉमेंट कर दिया कि तुम विधान सभा में जोर-जोर से भाषण देते हो लेकिन उसका मुख्य मंत्री पर तो कोई फर्क नहीं पड़ता। आपका डिवीजन तक नहीं खोला और चुवाड़ी में दे दिया इत्यादि। इस बातचीत में उसने एक 'भौंकना' शब्द यूज किया। यह व्यक्ति सरकारी टीचर है और उसका नाम वीर सिंह है। वह डायरेक्ट मेरे ऊपर कटाक्ष कर रहा था। उसको मेरे से कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि उसने कभी चुनाव नहीं लड़ा है और वह किसी राजनीतिक पार्टी से भी संबंधित नहीं था। लेकिन फिर भी उस वीर सिंह अध्यापक की बातों से मैं बहुत आहत हुआ कि मैं विधान सभा में अपना विषय रख रहा था क्योंकि महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा चल रही थी लेकिन उस वीर सिंह ने जो हिंगरी स्कूल में तैनात है, इसके लिए भौंकना शब्द का प्रयोग किया। यह सोचने वाला विषय है कि हमने उस सरकारी कर्मचारी को इतनी छूट कैसे दे दी? चाहे मैंने उसे संरक्षण दिया या आपकी पार्टी के लोगों ने दिया या किसी और ने दिया लेकिन यह तो हमारी सम्माननीय संस्था को चुनौती है। वह एक विधायक को भौंकना बोल रहा है। उनकी मानसिकता किस लैवल पर चली गई है या

हमने उनको काम नहीं दिया है या खुले छोड़े हुए हैं। यह भी हो सकता है कि उनको पता ही न हो कि मैं अध्यापक किस लिए हूं? केमिस्ट्रि बड़ा महत्वपूर्ण सबजैक्ट है और आप उस पर ध्यान न देकर इस तरह की बातें कर रहे हों। मैं उस बात पर भी नहीं गया क्योंकि हमें तो हररोज गालियां देते हैं। कोई खुश होता है, कोई कहता है कि तुम ही निकले शेर, तुम ही बदमाश और डाकू निकले। यह सारी अवधारणाएं परिवार के फेलियर होने पर हुई है जब सही शिक्षा नहीं दी गई तो उसके कारण ये सारी चीजें हो रही हैं। मेरा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी से निवेदन है कि इसमें कांउसलिंग से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसके लिए हमें परिवारों को स्ट्रेंथन करना पड़ेगा। मान लो मैं और मेरी वाइफ वर्किंग है तो किसी-न-किसी को तो परिवार को समय देना पड़ेगा। पहले मर्द काम के सिलसिले में बाहर जाता था और

23.02.2024/1245/टी0सी0वी0/वाई0के0-2

औरत घर को संभालती थी लेकिन मर्द घर संभाले और औरत बाहर जाए इसमें कोई दिक्कत नहीं है। मैं महिलाओं के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन जब से यह प्रतिस्पर्दा बढ़ी है तब से समाज में व्यवधान भी पैदा हुए हैं और व्यवधान भी ऐसे कि हम लोग एक तरह से टॉर्चर हो गए हैं। इससे परिवारों में बिखराव आ गया है। मैं एक एस0डी0एम0 मैडल को देखता हूं उनका हररोज सैल्फी/रील बनाने का काम है। वे कभी बजट डिसक्राइब कर देती है और कभी कुछ और करती रहती हैं। हमारे चीफ सेक्रेटरी क्या कर रहे होंगे कि वे अपने ऑफिसर को ही चैक नहीं कर पा रहे हैं। आपके उपायुक्त,एस0डी0एम0, एस0पी0, डी0एस0पी0 क्या कर रहे हैं? ये लोग अपना काम छोड़कर कुछ और ही काम कर रहे हैं। इसलिए मैंटल हेल्थ जैसे मेरा खराब है उनका भी खराब है। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि इस पर एक स्पेशल पॉलिसी बननी चाहिए। जिसका जो रोल है when we are playing a role according to the need and situation, one should not be confused in any circumstances. मतलब तब हमें कोई दिक्कत नहीं आएगी। अगर हम अपने सामाजिक परिवेश में according to my role समाहित हो जाते हैं तब हमें कोई मैंटल परेशानी नहीं होंगी।

Chairman : Hon'ble Member, please wind up. इसमें बोलने के लिए कुल समय 45 मिनट होते हैं। अभी दो स्पीकर और बोलने वाले हैं और उसके बाद मंत्री जी ने रिप्लाई देना है।

Dr. Hans Raj : Chairman, Sir, actually when I was a Deputy Speaker of the august House, at that time you were not the Member of this House. और मैं इसको डेढ़ घंटे भी खींच लेता था। जब विषय अच्छा हो तो आगे खींच लेते हैं। हम इसी लिए आए हैं और मैंटल हेल्थ तो बड़ा महत्वपूर्ण विषय है। यहां कई लोगों का मेंटल हेल्थ बिगड़ा हुआ है। ...(व्यवधान) श्री संजय रतन जी तो बहुत वरिष्ठ नेता है और हम तो एक साथ विधायक बने हैं। मैं आपको विधायकों की परिस्थिति से अवगत करवाना चाहता हूं। मैं इनकी खीज भी समझ सकता हूं। जब स्वर्गीय राज वीरभद्र सिंह जी थे और हम यहां पर विधायक बनकर आए, उनकी महानता देखिए, मैं उनको सलाम करता हूं। वे आज स्वर्ग में होंगे।

एन0एस0 .. द्वारा जारी

23-02-2024/1250/एन0एस0-डी0सी0/1

डॉ0 हंस राज------जारी

जब मैं पहली बार विधायक बन कर आया तो मेरी सैलरी 75,000 रुपये थी और मेरा खर्च उस समय 1.50 लाख रुपये तक जा रहा था। यह वर्ष 2012 की बात है। मैं कभी अपने भाई साहब और कभी अपने पिता जी से पैसे लेता था। एक दिन पिता जी ने हाथ खड़े करते हुए कहा कि आप नौकरी में ही ठीक थे और रोज सुबह चीनी व चायपती की जरूरत पड़ती है, 10 किलो चीनी व चायपती एक महीने में लग रही है। तब मैंने उनसे कहा कि मैं सामाजिक कार्य में आ गया हूं। उस समय मेरे में भी स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी और सरदार भगत सिंह जैसी फीलिंग आई थी। यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है और आप मेरी बात ध्यान से सुनें। उस समय हमारी गाड़ियों में बत्तियां लगी होती थीं और ट्रक वाले गालियां भी नहीं देते थे तथा न ही किसी विधायक के साथ अभद्र व्यवहार होता था। समय बदला लेकिन हमारी मेंटेलिटी और बदलती गई। वर्ष 2012 में हमने माननीय वीरभद्र सिंह जी से रोना रोया और उन्होंने इस बात को समझा। उन्होंने उस समय कहा कि जब तुम अपना ही

नेतृत्व ढंग से नहीं कर पा रहे हो तो तुम समाज का क्या करोगे। उन्होंने कहा कि करप्शन को रोकना है तो शुरुआत खुद से करनी पड़ेगी। अगर मेरे पास 10 लोग आए हैं और मैं जे0ई0, एस0डी0ओ0 या एक्सिअन को बोलूं कि इनको चाय पिला दो तो वे कहां से चाय पिलाएंगे या रोटी कहां से खिलाएंगे? उसके लिए एक्स्ट्रा पैसा नहीं होता है। जिसकी चलती है उसकी कोई गलती नहीं होती है और वह करवा भी लेता है। हम जैसे लोगों का जीना मुश्किल हो जाता है। मेरे पिता जी पाइप फिटर रहे और उनकी क्या इनकम होगी, इसका आपको पता ही है। मेरा तो चलना ही मुश्किल हो गया। उस समय हम सबने माननीय संजय रत्न जी की अगुवाई में स्वर्गीय वीरभद्र सिंह जी से चर्चा की और आज जो थोड़ी अच्छी पोजीशन है तो उनकी वजह से है। बीच में और भी मुख्य मंत्री आए और वर्तमान मुख्य मंत्री जी भी कुछ नहीं कर रहे हैं। जब गाड़ियों में झंडी लगाने की बात हुई और सारा कुछ फाइनल हो गया तो फिर अड़चन आ गई। पिछली बार हम कहने लगे कि वी0आई0पी0 को कोई फर्क नहीं पड़ता। मुख्य मंत्री के काफिले में 20 गाड़ियां चलती हैं और कोई सामने नहीं आ सकता है। मंत्रियों के साथ भी पायलट चलती है। जब विधायक सत्ता पक्ष में मंत्री की कुर्सी पर बैठ जाते हैं तो अधिकारी वर्ग ऐसे गाइड करता है कि यह नहीं हो सकता। अधिकारी खुद तो पूरी

23-02-2024/1250/एन0एस0-डी0सी0/2

फीलिंग लेते हैं लेकिन हमारा मेंटल हैल्थ इन्होंने खराब किया है। हमें यह डर रहता है कि पता नहीं कब अखाड़े में उतरना पड़े और कब कौन-सा ट्रक ड्राइवर पाना निकाल कर बाहर आ जाए। इसलिए मैंने आजकल जिम ज्वाइन कर लिया है। हम लोग जो मेंटल हैल्थ पर चर्चा कर रहे हैं तो हमें पहले अपनी हैल्थ ठीक करने की जरूरत है। यह मेरा पहला प्वाईंट है। दूसरा, मुख्य मंत्री जी को हम 68 विधायकों पर संज्ञान लेना चाहिए। हम संस्थान खड़े करते हैं और फिर उसमें व्यवस्थाएं करते हैं। कई लोगों ने अब इसमें भी क्रिटीसाइज करना है कि इन्होंने अपनी बात को यहां पर लाने के लिए ऐसा बोला। जब मैं खुद ही कंफ्यूज हूं। How can I convince the public when I am myself totally confused. मैं पब्लिक को कैसे कंविंस कर सकता हूं। मेरा निवेदन है कि मेंटल हैल्थ के लिए आप इंफ्रास्ट्रक्चर डवल्प करें। माननीय सदस्य श्री भवानी सिंह पठानिया जी बहुत अच्छा विषय

लेकर आए हैं और मैं इनके प्रस्ताव से सहमत हूं। हम लोग गांव में देखते हैं और मैं आपको सलूणी की एक घटना बताता हूं। एक व्यक्ति ने अपना घर जला दिया और लोगों को भी प्रताड़ित किया। ये घटना हिमगिरी के साथ लगता गांव की है। मुझे किसी व्यक्ति का फोन आया कि उस व्यक्ति को ले जाना है और एस0एच0ओ0 कार्रवाई नहीं कर रहा है। इसके लिए हमें अलर्ट मोड पर जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग इस बारे में एक बार सर्वे कर ले कि ऐसे कितने लोग हैं और उनके लिए कितने संस्थानों की जरूरत पड़ेगी? दूसरा, भवानी पठानिया जी ने कहा कि काउंसलर की व्यवस्था भी होनी चाहिए। यह बिल्कुल सही है। जो मैंने अपने और विधायकों के बारे में कहा है तो मुख्य मंत्री जी सुन रहे होंगे। आशा वर्कज, आंगनबाड़ी वर्कर्ज आदि सबकी तनख्वाह बढ़ाई है। विधायकों का भी सोचें।

आर0के0एस0 द्वारा--------जारी

23.02.2024/1255/RKS/DC-1

डॉ0 हंस राज ... जारी

तो आपको इनके बारे में भी सोचना चाहिए। साथ में जो हमारे साथ बेइज्जतियां हो रही हैं अगर आप उनका निराकरण करवाएं तो हमारी मेंटल हैल्थ ठीक हो सकती है।

सभापति जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

23.02.2024/1255/RKS/DC-2

सभापति : अब माननीय सदस्य श्री होशयार सिंह जी इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री होशयार सिंहः सभापति महोदय, आपने मुझे इस संकल्प पर बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद। जो आज मैंटल हैल्थ पर चर्चा हो रही है इस पर मैं भी अपने विचार रखना चाहूंगा। आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। चाहे यह प्रतिस्पर्धा किसी भी फील्ड में हो? यह प्रतिस्पर्धा एजुकेशन, स्पोर्ट्स या किसी भी क्षेत्र में हो सकती है। आज हर व्यक्ति मेंटल स्ट्रेस से गुजर रहा है। हम भी यहां पर एक प्रतिस्पर्धा के जरिये इलैक्ट होकर आते हैं। जब दो व्यक्ति राष्ट्रीय पार्टी से लड़ते हैं तो उनके पास पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर और पूरी टीम

होती है। उनकी शुरूआत 10 हजार वोटों से होती है और जब उनके विरुद्ध एक इंडिपेंडेंट कैंडिडेट चुनाव लड़ता है तो उसकी शुरुआत शून्य से शुरू होती है। आप जान सकते हैं कि यह कितनी बड़ी प्रतिस्पर्धा और कितना बड़ा मैंटल स्ट्रेस है। भाई भवानी सिंह पठानिया जी इंटरनेशनल बैंक आई.सी.सी.आई. की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए हैं। इनका वहां का पैकेज काफी ज्यादा था। एक विधान सभा में मिनिमम 80 हजार वोटर होते हैं जिनमें से 60 हजार की वोटिंग होती है। इस तरह एक विधायक 60 हजार या एक लाख लोगों को हैंडल करता है। अगर प्राइवेट सैक्टर में इतने व्यक्तियों को हैंडल करें तो उसे करोड़ों रुपये का पैकेज मिलता है। यह भी एक मैंटली हरासमेंट है। माता-पिता बच्चों पर पूरा प्रेशर बनाते हैं कि वे फर्स्ट आएं। लेकिन जब एक कक्षा में सौ बच्चे हों तो सौ के सौ तो फर्स्ट नहीं आ सकते। आज सुसाइड रेट इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि बच्चों पर मेंटली प्रेशर है। आप पहली से पांचवी कक्षा के बच्चों के बैग का वेट देखिए। फोरन में एक स्टेंडर्ड रूल है कि वहां पर पहली से पांचवी तक कोई किताब नहीं होती। लेकिन यहां पर पहली कक्षा का बच्चा भी 15 किलो का बोझ अपने बैग पर उठाकर चलता है। वह छोटा-सा बच्चा क्या करेगा? इस तरह उसकी मेंटली हालत तो बिगड़नी ही है। कोई सोचता है कि मैं दोड़ लगाऊं और फौज में भर्ती हो जाऊं लेकिन जो रह जाता है वह स्ट्रेस में चला जाता है। मेडिकल और इंजीनियरिंग में एडमिशन न मिले तो बच्चा मेंटल स्ट्रेस में चला जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण प्रतिस्पर्धा है लेकिन हमारे राज्य में काउंसलरों की बहुत कमी है। काउंसलिग बहुत जरूरी है ताकि बच्चे को स्ट्रेस रिलिफ मिले। आज अमीर-अमीर होते जा रहे हैं, गरीब-गरीब होते जा रहे हैं। जब एक इंसान देखता है कि इसके पास आई.फोन है और मेरे पास कुछ नहीं है तो वह भी मेंटल स्टेस का एक कारण बनता है।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

23.02.2024/1300/बी.एस./एच के/-1

श्री होशयार सिंह जारी...

आज बच्चे नशे की ओर जा रहे हैं। वह भी एक कारण है मैंटल रिटार्डेशन एक बहुत बड़ा विषय है जो इस सदन में आज रखा गया है। Joint family, individual family, single family, कभी सास कभी बहू। घर की लड़ाई भी इसका कारण बन जाती हैं। आप

आत्महत्या का प्रतिशत देखिए, अगर बच्चों में प्यार हो गया और मैं शादी नहीं करने दूंगा तो आत्महत्या कर रहे हैं। ये सारी बाते हैं जो एक मैंटन स्ट्रैस इंसान के अन्दर पैदा करता है और इसे कम करने के लिए डॉक्टर्ज की आवश्यकता है,काउंसलिंग की आवश्कता है। इस पर मैं यही कहना चाहूंगा कि जो हमारी सरकार है हर सिविल अस्पताल में आउंसलर की पोस्ट क्रिऐट करे, ताकि आने वाली पीढ़ी जो आत्महत्या की ओर जा रही है जो ड्रग्ज की तरफ जा रही है इनको विशेषज्ञ मिले और हम इसे लागू करके लोगों की जान बचा सके। लोगों को हम अच्छी राह में डाल सकते हैं। जो बच्चा यहां सिलेक्ट नहीं हुआ वह कहीं और सिलेक्ट होगा। हम ऐसे लोगों की जिंदगी को बचा सकते हैं और बुरे रास्ते पर जाने से बचा सकते हैं। मैं ज्यादा न बोलते हुए अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया और जो संकल्प माननीय भवानी सिंह पठानिया जी ने रखा है, मैं इसका समर्थन करता हूं। यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पहली बार इस माननीय सदन में रखा है। मैं इसका समर्थन करता हूं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति : अभी इस संकल्प पर बोलने वाले दो माननीय सदस्य हैं, अगर माननीय सदस्य चाहे तो भोजनोअवकाश से पहले इस पर चर्चा कर सकते हैं। अब इस चर्चा में डॉ0 जनक राज राज भी भाग लेंगे।

23.02.2024/1300/बी.एस./एच के/-2

डॉ0 जनक राज : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद। मैं सबसे पहले यह बताना चाहता हूं कि जिसे हम हैल्थ कहते हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन हैल्थ की परिभाषा क्या कहता है। The World Health Organization (WHO) states that ‘the state of complete physical, mental and social well-being, and not merely the absence of disease or infirmity’. मतलब मुझे कोई बिमारी नहीं है, मैं स्वस्थ हूं ऐसा नही है। व्यक्ति का सामाजिक कल्याण मानसिक स्थिति, ये चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं। मानसिक रोग और मानसिक रोगों से ग्रसित होने वाले लोगों की संख्या हमारे देश में, हमारे प्रदेश में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अब इसके अनेकों कारण हैं, भौतिकतावादी प्रतियोगिता जो आज के समाज में देखी जाती है। नशा और अन्य चीजें इसके कारण हैं।

यह इतनी डिटेल है कि यहां पर इसकी चर्चा करने की जरूरत नहीं है परंतु एक आकलन के अनुसार हमारे देश की 10 प्रतिशत जनता और हिमाचल प्रदेश की छह प्रतिशत जनता मानसिक रोगों से ग्रसित है। मैंने अपने अनुभवों के दौरान अनेकों लोगों के इस बीमारी से संबंधित परामर्श दिए हैं और यह एक ऐसी चीज है, हमें लगता है कि ये बेरोजगार इसलिए परेशान है और शायद इसे डिप्रेशन हो गया या मानसिक विकार हो गया होगा। परंतु बहुत साधन संपन्न लोग भी इसका शिकार हो जाते हैं। मैं एक घटना की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि आज से कुछ वर्ष पूर्व एक सेवा निवृत्त बहुत बड़े अधिकारी थे जिन्होंने अपने को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। यह बीमारी किसी आर्थिक पैरामीटर पर आधरित नहीं होती। इससे कोई भी ग्रसित हो सकता है। अब मानसिक रोग से कोई आदमी ग्रसित होता है तो उसका परिवार अपने आपको कलंकित महसूत करता है। वह व्यक्ति प्रभाव हीन हो सकता है और इसके लिए हमें बहुत सारे सेगमेंट्स में एकत्रित हो करके लोगों को काम करने की जरूरत है। मैं एक आंकड़ा सदन में रखना चाहूंगा कि वर्ष 2020-2022 तक हिमाचल प्रदेश में 2,522 लोगों ने आत्महत्याएं की हैं और इन आत्महत्याओं में अगर हम देखें तो 1,710 पुरुष 792 महिलाएं हैं।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1305/DT/HK-1

डॉ0 जनक राज जारी....

और इसके मुख्य कारण जो पाए गए वह थे भविष्य की चिंता, परिवार की चिंता आर्थिक विषमता। जब हम इन आंकड़ों को और विस्तार से देखते हैं तो इसमें 28 प्रतिशत मजदूर श्रेणी के लोग थे, 24 प्रतिशत घरों में काम करने वाली महिलाएं थीं, 11 प्रतिशत विद्यार्थी थे, 10 प्रतिशत प्राइवेट नौकरी करने वाले थे, 4 प्रतिशत सरकार नौकरी करने वाले और बिजनेसमैन थे, 3 प्रतिशत किसान और 16 प्रतिशत अन्य वर्ग के लोग थे। मैं यहां बात कहना चाहूंगा कि डाक्टर होने के नाते कई बार लोग हमें कहते है कि मेरा लड़का या मेरे परिवार का कोई सदस्य मानसिक रोग से ग्रस्त है और वह ऐसे ही इधर-उधर घूमता रहता है, मारपीट करता है, इसको मैं किसी पुर्नवास केंद्र या किसी मानसिक उपचार वाले

हास्पिटल में भर्ती करवाना चाहता हूं। मैं क्या करूं? वो मेरी सुन ही नहीं रहा? वह व्यक्ति कभी एस0डी0एम0 और कभी किसी अन्य स्थान के चक्कर लगाता रहता है। मैं इस सदन के माध्यम से पूरे हिमाचल की जनता को एक बात बताना चाहता हूं कि भारत सरकार ने वर्ष 2017 में मेंटल हैल्थ एक्ट लागू कर दिया है और उस मेंटल हैल्थ एक्ट के प्रावधानों के तहत के अंतर्गत चैप्टर-13, सैक्शन 100 ये उस स्टेशन हाउस ऑफिसर यानी जो एस0एच0ओ0 है, every police officer incharge of a Police Station shall have a duty to take protection of any person wandering at large within the limit of the Police Station. इसलिए मैं इस सदन के माध्यम से पूरे हिमाचल प्रदेश को ये जानकारी देना चाहता हूं कि अगर किसी भी गांव में या किसी भी परिवार में ऐसा कोई व्यक्ति आपको मिलता है जो अपने लिए, अपने परिवार के या फिर समाज के लिए खतरा साबित हो सकता है, तो कृपया करके उसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में दें। ये एस0एच0ओ0 की जिम्मेवारी है कि उसको किसी भी नजदीकी हस्पताल में लेकर जाए, उस हस्पताल में जो भी डाक्टर है उसकी जिम्मेवारी है की वह उसका इलाज कर यथा संभव परामर्श दे। ये बात मैं ऐसे ही नहीं कह रहा, इसका मेंटल हैल्थ एक्ट में प्रावधान है। भारत सरकार ने मानसिक रोगियों के लिए कानून बनाया है। पुलिस आफिसर जब उस मरीज को डाक्टर के पास लेकर जाएगा, ये डाक्टर की जिम्मेवारी है कि वह मेंटल हैल्थ के जो विशेषज्ञ डाक्टर हैं उनसे समन्वय बनाकर

23.02.2024/1305/DT/HK-2

उसके उपचार का प्रावधान करे। ये सबसे मुख्य चीज थी क्योंकि लोगों को यह मालूम नहीं होता कि हम करें क्या? कई लोग कहते हैं कि हम तो गरीब है और हम उपचार का खर्चा वहन नहीं कर सकते। हिमाचल के संदर्भ में कहना चाहूंगा की हिमाचल में जो हमारे पास मेंटल डिजीज को लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर है वह केवल एक हास्पिटल शिमला के बालूगंज में और जहां पर लगभग 50 बिस्तर हैं। लेकिन जो हमारा स्टैट है, उस स्टैट के हिसाब से हम लोगों को प्रदेश भर में लगभग 350 बिस्तर की जरूरत है। मैं सदन के माध्यम से बताना चाहूंगा कि भारत सरकार ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई में

अक्तुबर 2014 में New Pathways New Hope करके National Mental Health Policy का प्रावधान पहले सी ही किया हुआ है और इसी पॉलीसी के तहत पूर्व की जय राम सरकार ने टांडा मेडिकल कॉलेज में 100 बिस्तरीय मानसिक हस्पताल का उद्घाटन किया गया था लेकिन अभी तक ये हस्पताल चल नहीं रहा है। मैं इस सदन के माध्यम से प्रदेशवासियों को बतान चाहूंगा कि मेंटल हैल्थ एक्ट और मेंटल हैल्थ पॉलीसी के तहत इन सारी चीजों का खर्चा जिसमें हस्पताल बनाने का खर्चा, मेनपॉवर का खर्चा और दवाइ तक का खर्चा केंद्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित है। अब केंद्र सरकार जब प्लेट में खाना परोस कर दे रही है अगर हमनें वह खाना नहीं खाना है तो वह हमारी गलती है। मैंने स्वास्थ्य विभाग में पता किया कि आप मनोवैज्ञानिक की संख्या क्यों नहीं बढ़ा रहे, सोशल वर्कज की संख्या क्यों नहीं बढ़ा रहे, मनोचिकित्सकों की संख्या क्यों नहीं बढ़ा रहे एक जवाब जैसा की लाल फिताशाही हमेंशा करती रही है

श्री एन.जी.द्वारा जारी

23-02-2024/1310/वाई.के.-एन.जी/1

डॉ0 जनक राज .....जारी

कि इसकी जस्टिफिकेशन दीजिए और यह पोस्ट क्यों बढ़ानी है? जस्टिफिकेशन की जरूरत ही नहीं हैं। Mental Health Act भारत सरकार द्वारा बनाया गया है और उसमें प्रत्येक ऐसा संस्थान खोलने के लिए 33 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उसमें छोटी-से-छोटी दवाई भी सभी लोगों को बिना किसी इंकम क्राइटेरिया के निःशुल्क देने का प्रावधान भारत सरकार ने किया है।

(अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

अध्यक्ष महोदय, केन्द्र की पॉलिसी में यदि हिमाचल प्रदेश सरकार कुछ एडऑन करना चाहती है तो इसके लिए मैं कुछ महत्वपूर्ण सुझाव देना चाहता हूं। Information, education and communication लोगों को यह मालूम होना चाहिए कि मानसिक रोग क्या है। रेडियो, समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से इसकी जानकारी लोगों के बीच में फैलाना सबसे महत्वपूर्ण है। Mental Health Act के तहत इसका प्रावधान भी किया गया है

क्योंकि मानसिक रोग से ग्रसित लोगों के भी अपने अधिकार हैं। उन अधिकारों को संरक्षित करने के लिए ही भारत सरकार ने अक्तूबर-2017 में Mental Health Act भारत में लागू किया था। मैन पॉवर डवलपमेंट के लिए भारत सरकार ने स्कीम-ए व स्कीम-बी बनाई है। इसके तहत मेडिकल कॉलेज में psychiatric department को स्ट्रैंथन करें। स्कीम-बी के तहत National Mental Health Programme बनाया है जिसके तहत पूरा खर्चा केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित है। इसमें दवाइयां, इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी व उपकरणों का भी सारा प्रावधान किया गया है। जब कोई व्यक्ति बीमारी से ठीक हो रहा होता है तो उसे बीच में एक partial care की जरूरत होती है जिसे Half-way home कहा जाता है।

हमारे प्रदेश में Half-way home की उपलब्ध्ता नहीं है। जब मेंटल हॉस्पिटल से कोई व्यक्ति डिसचार्ज होता है तो वह उस परिस्थिति में नहीं होता कि वापिस अपने समाज व गांव में रह सके। बीच में एक होल्डिंग जोन जिसे Half-way home भी कह सकते हैं, उसको निर्माण करने का भी Mental Health Act में प्रावधान है।

अध्यक्ष महोदय, मैं De-addiction Centre के बारे में बात करना चाहूंगा। यहां पर मीडिया के बंधु व सभी माननीय सदस्य बैठे हुए हैं और हम सभी जानते हैं कि आज De-addiction Centre के क्या हालात हैं। एक प्रकार से De-addiction Centre आज नशे के

23-02-2024/1310/वाई.के.-एन.जी/2

केन्द्र बन चुके हैं और जो आपको बाहर नहीं मिलेगा वह अंदर मिल जाएगा। सरकार की ओर से अपने De-addiction Centre खोले जाने चाहिएं। इसके अलावा इंसेंटिव देना बहुत जरूरी है। जो लोग mental health problem के साथ जी रहे हैं और उनकी मदद करने के लिए जो एन.जी.ओज़. व सामाजिक लोग आगे आ रहे हैं तो उनको हमें प्रोत्साहन देना चाहिए। Suicide prevention strategy के लिए हैल्प लाइन नम्बर जारी किया जाए। स्कूल-कॉलेज में बच्चों की स्क्रीनिंग होना बहुत जरूरी है। जब लोग तुलना करने लगते हैं तब बच्चों की लाइफ में समस्या पैदा होना शुरू होती हैं।

अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने इसके लिए एक पॉलिसी बनाई हुई है और हमें केवल अपने प्रदेश में लागू करनी है। मैं कहना चाहता हूं कि हमें अपना दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। हम जब अपनी लाइफ में एक-दूसरे के साथ तुलना करते हैं तो हम उसका

भार अपने दीमाग में डालते हैं। मुझे स्वामी विवेकानंद जी व उनके गुरू राम कृष्ण परमहंस जी का एक कोट याद है। जिसमें स्वामी विवेकानंद जी अपने गुरू राम कृष्ण परमहंस जी से पूछते हैं कि "मैं विषम परिस्थितियों में अपना संयम कैसे बना कर रखुं?" तब राम कृष्ण परमहंस जी कहते हैं कि "इस बात पर ध्यान न दो कि आगे कितना चलना हैं बल्कि इस बात पर ध्यान दो कि कहां से आकर आप कहां तक पहुंचे हैं।"

अध्यक्ष महोदय, एक बात और कह कर मैं अपनी वाणी को विराम दूंगा। हमें धरातल पर एक व्यवस्था बनाना जुरूरी है न कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर मानसिक रोगियों को नई पॉलिसी का भ्रम दिखाना। ऑलरेडी पॉलिसी बनी हुई है और उसको सही तरीके से लागू करें। केन्द्र सरकार बजट का सारा प्रावधान कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष..... श्री टी.सी.वी. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1315/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

अध्यक्ष : जब प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो वह पार्टी से ऊपर उठकर होती है, व्यवस्था से ऊपर उठकर होती है। इसलिए हर जगह व्यवस्था जोड़ने की जरूरत नहीं है, यह भी आप सीख लें। Opposition doesn't mean that you are always there to oppose or you have to reflect gestures as Opposition. This is what I want to say. The House is adjourned for the lunch break and we will reassemble at 2.15 PM.

23-02-2024/1425/एन0एस0-ए0जी0/1

(सदन की बैठक दोपहर के भोजनोपरान्त 02.25 बजे अपराह्न पुनः आरम्भ हुई)

अध्यक्ष : चर्चा में भाग लेने के लिए अभी मेरे पास दो नाम आए हैं। माननीय विनोद सुल्तानपुरी और माननीय श्री विपिन सिंह परमार जी ने इस चर्चा में भाग लेना है। अब श्री विनोद सुल्तानपुरी जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री विनोद सुल्तानपुरी : अध्यक्ष महोदय, श्री भवानी सिंह पठानिया जी ने जो रेजोल्यूशन इस माननीय सदन में मूव किया है that is to formulate policy to improve infrastructure for mental health patients in the State, यह अनुभव करना और इसके ऊपर डिस्कशन लाना मैं समझता हूं कि बहुत महत्वपूर्ण इश्यू है।

आर0के0एस0 द्वारा -----जारी

23.02.2024/1430/RKS/एजी-1

श्री विनोद सुल्तानपुरी...जारी

इस पर रिलाइज करना और और इस पर डिस्कशन लाना बहुत महत्वपूर्ण विषय है। इसे रिलाइन न करना एक सामने पड़ी चीज को न देखने जैसा है। जब इसके ऊपर डिस्कशन आ रही थी तो हमारे साथी इसे मजाक में ले रहे थे कि हमारे बीच भी कुछ इफेक्टिव लोग हो सकते हैं। स्वर्गीय श्री राम स्वरूप जी इस चीज का शिकार हुए हैं। यह बात सत्य है। आने वाले समय में हिमाचलवासी इस बीमारी को रिलाइज करें ताकि इस इश्यू को रिजोल्व करने के लिए हम आगे बढ़ें। भूटान ने एक तरीका ढूंढा है। वे ग्रोस डोमेस्टिक हैपिनेस को अपनी कंट्री का हिस्सा मानते हैं कि उनके देश में कितने नागरिक खुश हैं। जापान में छोटे बच्चों को थोड़ी चीजों में संतुष्ट होना सिखाया जाता है। एक सोसायटी में कोओपरेटिव तरीके से कैसे जीवन जीया जाए इसके बारे में हमें सोचना चाहिए। पहले ज्वाइंट फैमिली होती थी और लोग एक-दूसरे का दुःख दर्द बांटते थे। आज की तारीख में फ्रेगमेंटिड फैमिली हैं और बच्चो के माता-पिता वर्किंग होते हैं। मैंने देखा है कि बच्चे अपने माता-पिता के दफ्तर मे जाकर घूमते रहते हैं। यह इंप्रेशन उन बच्चों की एक नींव बन जाती है और आगे जाकर यह बहुत खतरनाक बीमारी बनती है। नाटेगर मेरा दोस्त था। वह स्कूल में मेरा जूनियर था। उसने अपने आपको गोली मार दी। इसी तरह मेरे विधान सभा चुनाव क्षेत्र में मेरे एक साथी हैं। उनकी बेटी को मैं कुछ दिन पहले मिला था। मुझे उसने अपने साथ सैल्फी लेने के लिए कहा लेकिन उस बेटी ने 5-10 दिन पहले सुसाइड कर लिया। वह बहुत इंटेलिजेंट बच्ची थी और वे इस तरह का कदम उठा लेगी ऐसा कभी नहीं सोचा था। हमारे बच्चे पीयर प्रेशर में जी रहे हैं। उन्हें एक-दूसरे को देखकर हीन भावना आ

जाती है कि मेरे पास ऐसा मोबाइल है और उसके पास ऐसा। मुख्य मंत्री जी ने नर्सरी क्लास से अंग्रेजी मीडियम की बात कही है। जिस तरह जापान में बच्चों को 6 वर्ष तक सिर्फ मैनर ही सिखाए जाते हैं, उन्हें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाया जाता है, मैं समझता हूं कि हमें इस पर बहुत मेहनत करनी होगी। यह भी एक पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए और इसमें कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। यदि कोई डिप्रेशन में है तो उसका समाधान करने पर विचार करना चाहिए। हमारे सिस्टम में साइकॉलोजिस्ट को कमरे तो दिए गए हैं परंतु वह डिमोटिवेटिड कमरा दिया जाता है जो सीढ़ियों के नीचे होता है। वह कमरा बिल्कुल कॉर्नर में होता है। सोलन में जो हमारे साइकॉलोजिस्ट हैं वे बिल्कुल

23.02.2024/1430/RKS/एजी-2

कॉर्नर में रहते हैं। उनका कमरा ढूंढने के लिए आदमी को बहुत वक्त लगता है। मुझे मालूम है कि वहां पर साइकॉलोजिस्ट हैं। जो प्रीमिटिव तरीके हैं हमें उन्हें भूलकर यह समझना होगा कि जो

श्री बी.एस.द्वारा जारी

23.02.2024/1435/बी.एस./ए एस/-1

श्री विनोद सुल्तानपरी जारी...

हमारे जो बच्चे हैं या उन्हें जो वातावरण हम दे रहे हैं, उसको हमनें किस तरह से आपस में मिल करके अच्छा समाज देना है। हमारी जो fragmented families इसमें को-ऑपरेटिव तरीके से इसका हल निकालना चाहिए और हमारे गांव में पहले जो बुआरे होते थे जिसमें हर जगह के लोग इकट्ठा होते हैं और एक दूसरे के काम में बढ़ावा देते थे आज ये हमारी सोसाइटी, हिमाचल प्रदेश की सोसाइटी में बहुत ज्यादा ड्रॉप हुआ है। एक-दूसरे की समस्या को न देखते हुए, पहले आदमी लड़ते थे तो उन्हें छुड़ाने के लिए आते थे परंतु आज अपने दवाजे बंद करके निकल जाते हैं। मैं समझता हूं कि इस सोसाइटी को हमें एक दूसरे के साथ जोड़ना होगा। आज जो हमारे बच्चे ज्यादा मोबाइल में व्यस्त हैं, इसके विकल्प ढूंढने होंगे। मैं आपको बताना चाहता हूं कि कोरिया में अब रिहैबिलिटेशन सेंटर्ज

ओवर यूज ऑफ मोबाइल को ले करके बन चुके हैं। यह जो दिशा है इसके लिए हमें कोई-कोई नीति बनानी चाहिए, एंगर मेनेजमैंट, एक-दूसरे को बच्चे तंग करते हैं और हमारे यहां गाड़ियों में रोड रेज होती है। आजकल लोगों में इतना ज्यादा गुस्सा है कि मैं आदरणीय रवि जी को देख कर मैडिटेशन की बात करना चाहूंगा। इससे बहुत लोगों में गुस्सा कम हो सकता है। इसमें इस तरह की मैडिटेशनल क्लासिज को शामिल करना चाहए। मैडिटेशन सैंटर को बढ़ावा देना पड़ेगा। ताकि हमारे जो बच्चे हैं इसका शिकार न हो सकें। मैं इस संकल्प का समर्थन करता हूं। हमारे साथी ने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय यहां पर रखा है और हमारे सभी साथी इसमें बहुत अच्छे सुझाव देंगे। परंतु जो हमारी हैल्थ सर्विविज हैं उन्हें आधुनिक बनाना होगा और इसे रिलाइजेशन करना पड़ेगा कि हम अपने बच्चों को किस तरह से मोटिवेट करें। स्कूल में ये मोटिवेटर्ज जाएं, जो इस बीमारी से ग्रसित हैं और जो इस बीमारी से उभर कर आएं हैं उन्हें इसके ऊपर बाते बतानी चाहिए और हमें चुप नहीं बैठना है। हमारे जो नागरिक है वे इसमें से किस तरह से बाहर निकल सके इस पर हमें काम करना है। मैं आदरणीय पठानिया जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्हेंने बहुत अच्छा संकल्प सदन में लाया है, बहुत-बहुत धन्वाद।

उपाध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य विपिन सिंह परमार जी भाग लेंगे।

23.02.2024/1435/बी.एस./ए एस/-2

श्री विपिन सिंह परमार : उपाध्यक्ष महोदय, आदरणीय भवानी सिंह पठानिया जी ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय यहां संकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है, व्यक्ति का जो मन है उसके बारे में इन्होंने बहुत ही विस्तार पूर्वक अपना पक्ष यहां पर रखा है। उसमें माननीय पक्ष और विपक्ष के सदस्य भी शामिल हुए हैं। यह जो मन है, हम भी यहां खड़े हैं या बैठे रहते हैं, परंतु यह मन बहुत चंचल है। अभी यह यहां है और अभी कहीं और पहुचं जाता है। मैं यह कह रहा था कि

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1440/DT/AS-1

श्री विपिन सिंह परमार... जारी

जब आदमी जन्म लेता है तो उस आदमी के पास ईश्वर ने एक शक्ति दी है और वह शक्ति दी है, मन यानी सोचने की शक्ति। वह इस मन से अच्छा भी सोचता है, कई बार इस मन से कई प्रकार के द्वेष भी पैदा कर देता है, मित्रता का भाव भी इसी मन से पैदा होता है, शत्रुता भी इसी मन से पैदा होती है। यह मन ऐसा है कि कई बार पूर्व ग्रहों से ग्रसित भी हो जाता है यानी जो अच्छा भी है कई बार लगता है यह अच्छा नहीं है। यह मन है और जो कई बार अच्छा होता है तो यह मन कहता नहीं, यह अच्छा भी है बुरा भी। तो यह मन जो है इसको हम एकाग्र कैसे करें, इसको नियंत्रण कैसे करें, शब्द और भाषणों में नहीं, कई बार शब्द बड़े ऊंचे-ऊंचे होते हैं पर मन और व्यवहार वह तालमेल शरीर और वाणी के साथ नहीं करता। इसलिए विषय हो सकता है कि जब व्यक्ति का यह मन असंतुलित हो जाए तो उसे व्यक्ति को कई बार कहा जाता है कि यह विचार आ रहा है, यह पागल हो गया है, यह सुनता नहीं है इत्यादि-इत्यादि कई शब्दों का प्रयोग हो जाता है। इसका इलाज करवाओ, इसको मेंटल हेल्थ डॉक्टर के पास ले जाओ, इसकी काउंसलिंग करवा दो। वर्तमान परिदृश्य में हालात कुछ अलग हैं। वह भौतिकवाद का एक प्रभाव व परिणाम है जिसका कारण हम हमारे परिवार भी हैं परंतु जब यह शरीर है तो इससे शरीर में 1800 बीमारियां होती हैं। यहां स्वास्थ्य विभाग कोई अधिकारी यहां नहीं बैठा है। विधान सभा सचिवालय सारी बातों को नोट करता है आगे विभागों के पास पहुंचाता है, पर मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि यह सारी बातें मैं इसलिए यहां पर जिक्र करना चाहता हूं क्योंकि मैं अतीत की तरफ जाना चाहता हूं। यह मन कैसा है? ...(व्यवधान) तब तो इस प्रकार की चर्चा भी न करवाया करें। इन माननीय सदस्यों का समय भी बर्बाद न करें हमारा भी न करें। हम यहां किस लिए चर्चा कर रहे हैं, क्यों चर्चा कर रहे हैं? उपाध्यक्ष महोदय, हमारा मन बहुत चंचल है, विचलित हो जाता है और कई बार यह मन कई प्रकार की बातें और उसके बाद हम कई बार यह भी कहते हैं कि आदमी को अपना मन छोटा नहीं रखना चाहिए। छोटे मन से कभी आदमी बड़ा नहीं होता और टूटे मन से आदमी कभी खड़ा नहीं होता। यह मन की परिकल्पना क्या है? मन क्या है? हम शरीर का काया-कल्प करते हैं और उसे काया-कल्प

में हमारे शरीर में जो विकृतियां आती हैं, उनका हम उपचार करते हैं और उपचार करने का जो माध्यम है वह हमारे लिए आयुर्वेद आयुष पद्धती है। वह

23.02.2024/1440/DT/AS-2

उपचार करने के लिए हमारे पास प्राकृतिक वायु जल और मिट्टी की पद्धती है। अभी जिस दवा ने लोगों के मन और दिमाग के ऊपर राज कर लिया है वह एलोपैथी है। हम अपने शरीर का इलाज करते हैं पर मन का इलाज नहीं कर पा रहे और जब हम अपने मन का इलाज नहीं कर पा रहे हैं तो हम असंतुलित हो रहे हैं। मैं इतिहास की तरफ भी जाना चाहता हूं। मैं कैप्टन विक्रम बत्रा को याद कर रहा था। माता ने सुबह 4:00 बजे फोन किया बेटा कहां हो। हमारे भाई आशीष भी यहां बैठे हैं वे उनके विधान सभा क्षेत्र के नौजवान शूरवीर थे। वह कारगिल हिल कि उस चढ़ाई पर चढ़ने के लिए तैयार हो गए।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

23-02-2024/1445/डी.सी.-एन.जी/1

श्री विपिन सिंह परमार.....जारी

उन्होंने साथियों को कहा 'तुम शादीशुदा हो न, यहीं पर बैठे रहो, मेरे साथ वही नौजवान सैनिक चलेंगे जो अभी तक अविवाहित हैं।" उनका मन यह कह रह था कि मैं टाइगर हिल की उस चौकी से दुश्मनों को भगाऊंगा। उन्होंने कैसी परिस्थितियों में अपना मन बनाया होगा। उनका मन यह भी बोल सकता था कि सभी चलो, लेकिन उनके मन ने यह कहा कि मैं चलुंगा, तिरंगा फहराउंगा, दुश्मनों को भगाउंगा, गोली सीने पर लगी, मन ने कहा, ये दिल मांगे मोर। मैं मन की बात कर रहा हूं। परिस्थिति और हालात किसी व्यक्ति के मन को बनाते हैं। जब ये मन को बनाते हैं तो व्यक्ति की कार्यशैली व टारगेट भी उसी के अनुसार निश्चित होता है। कैप्टन विक्रम बत्रा जी की माता जी का कुछ दिन पहले देहावसान हुआ है। मैं उनकी आत्मा की शांति की कामना करता हूं। उनके शूरवीर बेटे ने टाइगर हिल व वहां की चौकियों को पाकिस्तानी अलगाववादियों से मुक्त करवाया था। प्रभु उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को हिम्मत प्रदान करें।

उपाध्यक्ष महोदय, मुझे याद है वर्ष 1999 में जब मैं पालमपुर गया था और सौरभ कालिया जी की माता जी ने कहा था, सौरभ कालिया जी पहले व्यक्ति थे जो शहीद हुए थे, उस समय एक मां का मन कह रहा था कि कोई बात नहीं, देश की अस्मिता, अखण्डता और एकता जीवत रहनी चाहिए, हिन्दुस्तान का वह भाग हिन्दुस्तान में ही रहना चाहिए, मेरा बेटा देश के लिए शहीद हुआ है और इस पर मुझे गर्व है। यह मां की ममता और मां का मन है। इतिहास हमें हर पल सिखाता है। 17 साल के श्री अब्दुला खान को अंग्रेजों ने कहा कि माफी मांगो तो उन्होंने कहा कि मैं माफी क्यों मांगू। अंग्रेजों ने कहा कि तुम्हारी उम्र 17 साल है और अगर तुम माफी मांग लोगे तो हम तुम्हें मुक्ति दे देंगे। उन्होंने कहा कि मैं फांसी का फंदा चूम लुंगा लेकिन तुम्हारे आगे नहीं गिड़-गिड़ाउंगा। इतिहास मन से भी जुड़ा हुआ है।

23-02-2024/1445/डी.सी.-एन.जी/2

माननीय सदस्य डॉ0 जनक राज ने स्वामी विवेकानंद के बारे में कहा था। उन्होंने अपने गुरू से मोक्ष मांगा था। उनके गुरू ने कहा था कि मोक्ष नहीं दुंगा, दुनिया में घूमो और दरिद्रता देखो। हिन्दुस्तान को सांपों-सपेरों व बिछुओं का देश कहा जाता है। पुरे देश में जाओ और मुक्ति दिलवाओ। तुम्हारी उम्र मोक्ष लेने की नहीं है। उसके बाद उन्होंने पुरे देश व दुनिया का भ्रमण किया था। उसके बाद वे अपने गुरू के चरणों में लेट कर कईं घण्टों तक रोए थे। उस समय स्वामी जी ने कहा था कि देश की जो दुर्दशा है उसके कारण मुझे मोक्ष नहीं चाहिए। इस देश का जो चित्र पुरी दुनिया में बनाया गया है, उसको मुझे मिटाना है। इसलिए अमेरिकन भाइयों-बहनों, ये शब्द कहने के बाद शिकागो का वह पूरा हॉल गूंज उठा था। इस देश का परिचय उन्होंने सात समुंद्र दूर दिया था और ये स्वामी विवेकानंद जी का मन ही है।

उपाध्यक्ष महोदय, वर्तमान परिदृश्य पर बात करूं तो मैं कईं बार जे.एन.यू. की खबरें पढ़ता हूं। जे.एन.यू. एक बहुत बड़ा प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है। वहां पर नारे लगाए जाते हैं 'अफज़ल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं' और भारत मां तेरे एक नहीं कईं हज़ार टुकड़े होंगे...! मैं इससे आगे नहीं बोलना चाहता। वहां पर ऐसी शिक्षा कौन दे रहा है? एक तरफ शिक्षा के कारण अब्दुल कलाम जैसे मिसाईल मैन बनते हैं जिनके कारण पुरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा होता है और भारत का तिरंगा चंद्रयान से लेकर मंगलयान की यात्रा तय करता है। वहीं दूसरी तरह 'अफज़ल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं।' यह शिक्षा कहां पढ़ाई जाती है? इस देश के नौजवानों का कैसा मन तैयार हो रहा है?

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आग्रह है कि आप मुझे बोलने का पूरा समय देंगे क्योंकि मैं अपनी बात को पूरे तथ्यों के साथ रखना चाहता हूं। कईं बार पढ़े-लिखे लोग भी मानसिक विकृति का माध्यम बन जाते हैं।

श्रीमती के.एस. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1450/केएस/डीसी/1

श्रीविपिन सिंह परमार जारी---

मैं एक बात कहना चाहता हूं कि हम जो शिक्षा दे रहे हैं, हम यहां पर आते हैं, हम 29 फरवरी तक अपना पक्ष रखेंगे, चले जाएंगे। अख़बारों में, सोशल मिडिया में, ट्विटर्ज़ पर हमारी बातें चलीं जाएंगी परन्तु मुझे यही कहना है कि हमारे काम के पीछे शक्ति होनी चाहिए, सच्चाई होनी चाहिए, दूर-दृष्टा के रूप में आने वाले वर्षों का एक चित्र तैयार किया जाना चाहिए ताकि आज जिस परिस्थिति से हम गुज़र रहे हैं, उससे हमें मुक्ति मिल सके। स्वस्थ हिंदुस्तान, स्वस्थ नौजवान, इस देश की आने वाली स्वस्थ पीढ़ी तैयार हो, उस पीढ़ी में हम भी हैं क्योंकि सीखने की कोई आयु-सीमा नहीं होती। ज़िंदगी के आखिरी पड़ाव पर भी सीखा जा सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बात हमारे मन की आती है, हम राजनीतिक क्षेत्र से हैं। हम भी व्यक्ति के चेहरे को देखकर बात करते हैं। हम जिस परिस्थिति से गुज़र रहे हैं, हम जिस राजनीतिक क्षेत्र में बात करते हैं, हमारे ऊपर क्या कम दवाब रहता है? हम व्यक्तियों के चेहरों को देखकर, कपड़ों को देखकर, वाणी को देखकर व्यवहार करते हैं क्योंकि हम कुछ अलग हो गए ना। हमारे दिमाग में एक बात बैठ गई कि हम तो बहुत अलग है। तब लोग क्या कहना शुरू करते हैं कि पहले तो यह बहुत अच्छा था लेकिन अब इस जगह पहुंच गया है, अब तो इसकी गर्दन भी मोटी हो गई है और इसकेदिमाग ने भी काम करना बंद कर दिया है। लोग व्यक्तियों के बारे में, नेतृत्व के बारे में, नेताओं के बारे में इस प्रकार के शब्दों का उच्चारण करना शुरू कर देते हैं। तो यह ज़रूरी ही नहीं है कि मैडनैस ही आए। कुछ लोग हमें मिलते हैं कि मैंने पी.एच.डी. की है, कुछ कहते हैं कि हम मंत्रियों के बेटे हैं परन्तु जब उनके संस्कारों को देखते हैं तो ऐसा लगता है कि मंत्री का बेटा होना बड़ी बात नहीं है, गरीब परिवार का व्यक्ति भी अगर संस्कार से युक्त है, समाज के हालात और परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानता है, मानवता के लिए उसकी आंखों में एक मर्म है,दिल में पीड़ा है तो यह ज़रूरी नहीं है कि वह किसी बहुत बड़े करोड़ीमल का बेटा हो। यह बड़ा महत्वपूर्ण है कि समाज की जिंदा हालत के दर्द को अपने सीने में समेटने के बाद, समाज की सेवा के काम को करने के लिए तत्पर रहता है, उसको हम सलाम करते हैं।

23.02.2024/1450/केएस/डीसी/2

उपाध्यक्ष महोदय, कई बार हमारे बारे में भी लोग मन बनाते हैं। हमारे बारे में भी टिप्पणियों करते हैं। अधिकारियों के बारे में टिप्पणियां करते हैं। तो यह जो विकृति है, यह व्यक्ति के स्वभाव और किस जगह पर वह बैठा है, उसके बाद वह किस प्रकार का व्यवहार करता है, उसके ऊपर भी निर्भर करता है। उसी के बारे में लोग मन बनाते हैं तो मैं यह भी कहना चाहता हूं कि समाज की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उसका चलन होना

बहुत ज़रूरी है। उसी को हम स्वस्थ मन, स्वस्थ बुद्धि के रूप में उस व्यक्ति को देखते हैं। वही समाज की एक मज़बूत नींव है।

उपाध्यक्ष महोदय, महाभारत की लड़ाई में अर्जुन ने भी हथियार डाल दिए थे। श्री कृष्ण ने कहा था कि आगे बढ़ो। अर्जुन ने कहा कि ये मेरे रिश्तेदार हैं। जिनके साथ मैं पला-बढ़ा, जिनके घरों में मैंने कई दिन बिताए, क्या उनके ऊपर मैं प्रहार कर सकता हूं ? श्री कृष्ण ने कहा कि मन बनाओ, तुम्हें अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई लड़नी है इसलिए आगे बढ़ो। तुम आगे बढ़ोगे, इतिहास तुम्हें याद रखेग। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो मनोरचना है, मनोवृत्ति है, ध्यान है, जो लगाया जाता था, सीखाया जाता था, आजकल तो ध्यान ही बंट गया है। आज कल ध्यान यह है कि इसके घर में नई गाड़ी कैसे आ गई? मेरे घर में स्लेट गिर रहे हैं परन्तु इसका घर चार मंजिला कैसे बन गया, उसी के कारण मेरा मन दुखी है। अपनी गरीबी-गुरबत के कारण नहीं, दूसरे की गरीबी और सम्पन्नता के कारण यह भी एक मन का विकास है और इसके कारण भी कई बार इस प्रकार की परिस्थितियां पैदा हो रही हैं

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

23.02.2024/1455/AV/एचके/1

श्री विपिन सिंह परमार-----जारी

जिसके कारण उसको फोबिया हो जाता है और वह डिप्रेशन में चला जाता है। उसका दिमाग बीमार हो जाता है। उसके परिवार के लोग चिंता करने पर मजबूर हो जाते हैं। आज नौजवान आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, पहले भी एक परिवार में 4-4, 5-5 बच्चे होते थे और अपने परिवार को पालते थे। लेकिन आजकल मां-बाप यह बोलते हैं कि वह देखो तुम्हारा पड़ोसी या क्लास फेलो कहां-से-कहां पहुंच गया है और तुम क्या कर रहे हो। उस अवस्था में वह बच्चा एक के बाद दूसरा अटैम्प्ट करता है और तीसरे अटैम्प्ट में वह फंदे को चूम लेता है। वह एक चिट्ठी लिखकर चला जाता है कि मम्मी मैं आपकी इस अभिलाषा को पूरा नहीं कर सका। लेकिन मैं अगला जन्म भी आपकी ही कोख़ से लूंगा और परिवार ने जो मेरे बारे में मन बनाया है उसको मैं अगले जन्म में जरूर पूरा

करूंगा। उसके लिए हम परिवार के लोग भी जिम्मेवार हैं। इस बीमारु दिमाग के लिए हम जिम्मेवार हैं। समाज की प्रतिस्पर्धा के लिए हम जिम्मेवार हैं। बच्चों को संस्कार न देने पाने के लिए भी हम जिम्मेवार हैं। मैं तो कहता हूं कि हम सरकारें भी जिम्मेवार हैं। यहां पर माननीय सदस्य श्री भवानी सिंह पठानिया जी विषय लाए कि आई0जी0एम0सी0 और टाण्डा मैडिकल कॉलेज में डिपार्टमेंट बना दिया जाए। परंतु मैं यह पूछना चाहता हूं कि आप किस-किस चीज का विभाग बनाएंगे। आप साइकेट्रिक, फिजियोथेरेपी इत्यादि डिपार्टमेंट बनाएंगे। आप बनाइए, अच्छी बात है। आप वहां पर सुपर स्पेशलिटी का डिपार्टमेंट बनाओ। आप वहां पर हर प्रकार के रोगों के स्पेशलिस्ट्स लेकर आओ परंतु यह व्यथा खत्म होने वाली नहीं है। किसी ने ठीक कहा है कि पहले नौजवान फौज में जाते थे। उस टाइम परिवार जुड़े हुए होते थे और नौजवान दौड़ लगाता था तथा अपने माता-पिता का सहारा बनता था। उसको कभी किसी ने यह नहीं सिखाया कि तुम योग करो। अब तो सुबह 6 बजे टी0वी0 ऑन करो तो लोग स्वस्थ रहने के लिए योग सीख रहे हैं। अगर किसी का बहुत बड़ा ऑपरेशन होता है तो डॉक्टर भी कहता है कि आप फिजियोथेरेपी करवाइए। अब तो हमारे तमाम मैडिकल कॉलेजिज में फिजियोथेरेपिस्ट्स आ गए हैं। मैं जब स्वास्थ्य मंत्री था तो मैंने उस समय नैर चौक, टाण्डा और आई0जी0एम0सी0 के लिए फिजियोथेरेपी डिपार्टमेंट के लिए एक प्रपोज़ल बनाई थी। क्योंकि डॉक्टर का भी यह कहना है कि मैज़र सर्जरी होने के बाद भी उनका इस प्रकार का उपचार होना

23.02.2024/1455/AV/एचके/2

जरूरी है। मैं यहां पर ये सारी बातें इसलिए रखना चाह रहा हूं क्योंकि डिपार्टमेंट आप जितने मर्जी बनाइए परंतु ये जो मोबाइल है इसके कारण कई बार तो मेरी, आपकी और माननीय सदन की जिंदगी लोगों के पास इतनी नजदीक पहुंच गई है कि लोग हर कभी पूछ लेते हैं कि आपको काम दिया था, उसका क्या हुआ। आप चाहे किसी महत्वपूर्ण बैठक में बैठे हुए हैं और वह व्यक्ति अपने काम के बारे में जानना चाहता है क्योंकि उसका काम उसके लिए महत्वपूर्ण है। हमारी आंखें जा रही है, दिमाग में ट्यूमर लग रहा है और कानों की सुनने की क्षमता खत्म हो रही है। डायबिटीज जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। इस मोबाइल का ठीक तरीके से प्रयोग किया जाए वरना मैंने पिछले दिनों एक खबर पढ़ी थी कि

हिन्दुस्तान के एक नौजवान की जर्मनी में ऑनलाइन शादी हो गई। मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह क्या हो रहा है? हम वासुदेव कुटुम्बकम की बात जरूर करते हैं, हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं। पर इस सारी टैक्नोलॉजी ने परिवार की मर्यादा और नियमों को खत्म कर दिया है। हमारे परिवार की सोच और परिभाषा को ही खत्म का दिया है। इसलिए मुझे यह भी कहना है कि इन बदलती हुई परिस्थितियों में हमें सारी बातों का ध्यान रखना चाहिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, 21 मिनट का समय हो गया है।

श्री विपिन सिंह परमार : माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी, मैं जो अपने कार्यकाल में नहीं कर सका, उसके बारे में आपको सुझाव देना चाहता हूं। मैं ये सारी बातें आपके सामने इसलिए रखना चाह रहा हूं

टी सी द्वारा जारी

23.02.2024/1500/टी0सी0वी0/एच0के0-1
श्री विपिन सिंह .... जारी

कि कुछ पागलपन की बीमारियां परिवार में वंशानुसार चलती है। हम जब डॉक्टर के पास चैकअप करवाने के लिए जाते हैं तो डॉक्टर पूछते हैं कि क्या आपके परिवार में माता-पिता या किसी अन्य सदस्य को कैंसर हुआ है? कई बार हम डायबिटीज के पेशेंट के रूप में डॉक्टर से रेटिनोपैथी, न्यूरोपैथी, किडनीपैथी और नेफरोलॉजी की बात करते हैं तो वे कहते हैं कि आपके पारिवार में इस तरह की बीमारी से माता-पिता या कोई भाई-बहन ग्रस्त हुए है? हमारे भाई शिक्षा मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं। आप बल दे रहे हैं कि नौजवान इस नशे की प्रवृत्ति से मुक्त हो, उसके लिए आप योजनाएं बना रहे हैं। उनकी काउंसलिंग कर रहे हैं तो हमारी भी यह जिम्मेवारी बनती हैं कि इस जगह पर खड़े होकर सरकार को पूरा-का-पूरा दोष न दें लेकिन हम क्या कर रहे हैं? अगर हम समाज के ओपिनियन मेकर हैं, वैसे तो हम कहते हैं कि हम एक लाख लोगों के प्रतिनिधि हैं लेकिन प्रतिनिधि के नाते

हम ओपिनियन मेकर भी हैं। ओपिनियन मेकर का सबसे बड़ा रोल यह है कि एक स्तम्भ और विश्वास के रूप में जहां हमारी आंखों के सामने कुछ गलत दिखाई दे रहा है, आज छोटे-छोटे बच्चे नशे के शिकार हो रहे, यह हमारी आंखों के सामने हो रहा है लेकिन हम बुरा नहीं बनना चाहते क्योंकि मुझे तो लोक सभा चुनाव के समय वोट भी मांगने हैं उसके बाद वर्ष 2026-27 में विधान सभा के चुनाव आ जाएंगे और बीच में पंचायत के चुनाव भी होने हैं। हम बुरे कैसे बन जाएं। लोग तो ओपिनियन मेकर होते हैं। इन लोगों का तो नैक्सैस बहुत बड़ा होता है। हमने इनको खुली छूट दे दी है। हमारे विधान सभा क्षेत्र में पुनर्वास का एक केन्द्र है। मैं वहां पर लोगों से मिलने गया और उनसे परिचय किया। किसी ने कहा मैंने बी0 टेक किया है, किसी ने कहा एम0टेक किया है और तीन बच्चों ने आई0आई0एम0 किया था। मैं उनकी आंखों की तरफ देख रहा था। आंखें सजल हो रही थी, दुःख हो रहा था। मैं उनके माता-पिता से मिला, उन्होंने कहा कि इन बच्चों को हमने पढ़ाई के लिए भेजा था, पता नहीं किस संगत में पड़ गए। वे आज बेबस हैं, माता-पिता के लिए तो अनमोल मोती उनका बच्चा होता है। उपाध्यक्ष महोदय, यह जो मानसिक विकार है इसके लिए हमारे अपने स्तर पर सबसे बड़ा काउंसलर कौन हो सकता है, वह माता-पिता और

23.02.2024/1500/टी0सी0वी0/एच0के0-2

बहन-भाई हो सकते हैं। उसके बाद मनोचिकित्सक होते हैं। हमारे पास बहुत लोग आते हैं कि परमार साहब टांडा कॉलेज में मेजर साहब हैं उनको फोन कर दो और वे भी हमारी बात सुन लेते हैं। वे भी कुछ दवाइयां दे देते हैं। हमारे नजदीक पालमपुर इलाके में भी एक भाई कटोच साहब हैं, वे बहुत नामी-ग्रामी हैं। उनके पास भी लोग अपना इलाज करवाने के लिए जाते हैं लेकिन वे भी कहते हैं कि जब यह बीमारी शुरू हुई थी, आपने इसका इलाज उस समय क्यों नहीं करवा? इसलिए इस पर शुरूआत में ध्यान देने की जरूरत है। प्रतिस्पर्दा की इस दौड़ में हम असंतुलित हो गए हैं। हम परिवार बिखराव के कारण मेरा बच्चा, मेरी बेटी, मेरी बहन की बेटी इत्यादि वह कैसे ठीक जगह पर पहुंच जाए, यहां तक ही सीमित हो गए हैं। कुछ माता-पिता कहते हैं कि हमारे बच्चे को एक करोड़ रुपये का पैकेज मिल रहा है लेकिन इस करोड़ रुपये के पैकेज के बाद वे अपने मम्मी-पापा को दर्शन

के लिए कभी नहीं आते हैं। खुशियां तो मन में ढेरों पाल रखी है लेकिन अंतिम समय उसी गांव के चार लोग यानी पड़ोसी अपने कंधों पर अंतिम यात्रा पूरी करवाते हैं। मानसिक असंतुलन का यह भी एक कारण है। इसके लिए मेडिकल संस्थानों में काउंसलिंग होनी चाहिए और फोबिया व मानसिक परेशानी जैसे रोगों से मुक्ति मिलनी चाहिए। इस बीमारी के प्रारम्भिक लक्षण यही है कि चिड़चिड़ापन आता है, बात को सुनता है पर गुस्से में आ जाता है और ज्यादा लोगों के बीच में बैठना पसंद नहीं करता है।

एन0एस0 द्वारा .. जारी

23-02-2024/1505/एन0एस0-वाई0के0/1

श्री विपिन सिंह परमार------जारी

उसकी अपनी ही दुनिया होती है क्योंकि एक रंग के पक्षी साथ मे उड़ते हैं और वे अलग ही प्रकार के होते हैं। अगर दूसरे रंग का पक्षी आ जाए तो कहते हैं कि यह कैसे आ गया, यह रात कैसे निकलेगी? यह शाम कैसे संगीन और रंगीन होगी। इन सारी बातों की तरफ ध्यान देने की जरूरत है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं मोबाइल का विरोधी नहीं हूं। इसके कारण जिस प्रकार से आज समाज में बिखराव आया है, विकृतियां आई हैं और बहुत-सी बीमारियां चाहे वह कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, डायबिटीज और हृदय रोग है तो इन बीमारियों का भी अंत होना चाहिए। ये शरीर स्वस्थ है। यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी का उपचार हो जाएगा। सर्जरी भी हो जाएगी। मनोवैज्ञानिक बीमारियों के कारण अगर शरीर असंतुलित हो गया है तो उसका भी उपचार हो जाएगा। स्त्री रोगों का भी हल हो जाएगा पर मन स्वस्थ रहना चाहिए। मन को स्वस्थ रखने के लिए एक ही विचार है जो कहता है कि सनातन की जय होनी चाहिए। सनातन में धर्म की जय-जयकार होनी चाहिए। सनातन कहता है कि मेरी नहीं पूरी दुनिया की चिंता की जानी चाहिए। आप किसी भी धर्म का इतिहास निकालिए जहां पर यह कहा गया हो- 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।' यह किस विचार में है? यह पुरातन सनातन विचार है। इसमें पार्टियों का मकसद नहीं है। इस पर कोई मोहर न लगाएं। इतना जरूर

किया जाए कि इसी के कारण इसी में ऊँ का समावेश है। इसी में राम का समावेश है और इसी में ऊँ नमः शिवाय है। यही शाश्वत सत्य है।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे साथी श्री भवानी सिंह पठानिया जी ने बहुत अच्छा विषय रखा है। सरकारी व्यवस्थाओं में ये फैकल्टीज मजबूत होनी चाहिए। डॉक्टर्ज आने चाहिए लेकिन उससे पहले की जो अवस्था या परिस्थितियां बने तो मेरे और आप जैसे माननीय सदस्य जो समाज में दीपक का काम करते हैं, उन्हें आगे आना चाहिए। दीपक के पास कौन आता है? दीपक के पास विश्वास लेकर आते हैं और आप उन जिम्मेदारियों से दस कदम पीछे मत मुड़िए। अगर मुड़ेंगे तो लोग भी मुड़ जाएंगे। मैं यही कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका धन्यवाद।

23-02-2024/1505/एन0एस0-वाई0के0/2

उपाध्यक्ष : अब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री इस चर्चा का उत्तर देंगे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, आज बहुत महत्वपूर्ण चर्चा इस संकल्प के रूप में माननीय भवानी सिंह पठानिया जी ने आरम्भ की थी जिसमें डॉ0 जनक राज जी, माननीय विनोद सुल्तानपुरी, माननीय विपिन सिंह परमार जी जिन्होंने यहां पर बहुत ही सुन्दर वक्तव्य दिया है। ये स्वयं पूर्व सरकार में स्वास्थ्य मंत्री और विधान सभा के अध्यक्ष भी रहे हैं। आज इस सदन में बहुत महत्वपूर्ण चर्चा हुई है और इसमें जितना भी बोला जाए तो मैं समझता हूं कि कम होगा but I will touch upon some of the essential points because I heard every Hon'ble Member. Bringing out in this august House जो बात सबसे अंतिम वक्ता कह रहे थे, उसे मैं इसलिए पहले कह रहा हूं कि सच में अगर मन सशक्त हो, सुन्दर हो स्वस्थ हो तो बहुत-सी बाधाएं चाहे शारीरिक, मानसिक, व्यक्तिगत और सामाजिक हों तो उन पर विजय पाई जा सकती है। विशेषकर जब इन्होंने बहुत बड़े वीर योद्धा का नाम लिया तो

आर0के0एस0 द्वारा ------जारी

23.02.2024/1510/RKS/वाइके-1

स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्री... जारी

मैं समझता हूं कि जिस प्रकार कैप्टन विक्रम बत्रा जी ने अपनी भावनाएं प्रकट की थीं उस प्रकार की भावना सब सैनिकों के मन में होती हैं। क्योंकि मैं भी एक सैनिक रहा हूं। जैसा श्री विनोद सुल्तानपुरी जी ने सुंदर शब्दो में कहा कि जो हमारी पारिवारिक संरचना रही है, जिस प्रकार से परिवारों में संस्कार और रहने का व्यवहार था वह काफी अच्छा था। भले ही पुराने समय में सुविधाएं कम थीं, मोबाइल नहीं होते थे परंतु उस समय संस्कार होते थे। उस समय लोगों का एक-दूसरे के प्रति प्यार-दूलार होता था। मुझे याद है कि उस समय हम भौतिकवाद की दौड़ में नहीं दौड़ते थे।

(अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

श्री भवानी सिंह पठानिया जी ने कहा था कि हम मनुष्य जीवन में न जाने कितनी लाख यौनियों को पार करके, कितनी पराकाष्ठाओं, बलिदानों और पूजा-अर्चना के बाद यह मानव शरीर धारण करते हैं। अगर यह जन्म इस प्रकार के सुसाइडल टेंडेंसी में चला जाए, नशे में चला जाए तो फिर सब कुछ व्यर्थ है। हम आजकल जिस प्रकार की वृत्तियां देख रहे हैं उसमें इस देवभूमि हिमाचल में रहना भी सार्थक सिद्ध नहीं होगा। जैसे डॉ0 जनक राज जी ने कहा कि हमें भारत सरकार का संरक्षण है, हमारे पास मेंटल एक्ट है लेकिन हम अभी तक इन चीजों को जमीन पर नहीं ला सके हैं। मेरा मानना है there is a need and I feel in any society, time comes when we must remember that how we are going to parish humanity; how we are going to protect ourselves; and how we are going to see our next generation. 1 या दो ग्राम चिट्टा खाने से जिनकी मृत्यु हो जाती है, मेरे विधान सभा क्षेत्र में just about 2-3 weeks back we lost two young people मुझे बड़ा दुःख हुआ कि उन्होंने अपना आगे का जीवन देखना था, ऊंची ऊंचाइयां हासिल करनी थी लेकिन उनका इस तरह संसार से जाना मुझे अच्छा नहीं लगा। डॉ. जनक राज जी ने डिप्रेशन, एंग्जाइटी और बाइपोलो डिसऑर्डर पर अपनी बात रखी है। श्री

विपिन सिंह परमार जी ने भी इन बातों पर अच्छी तरह प्रकाश डाला है। सभी वक्तओं ने अपने ज्ञान के अनुसार इस विषय पर काफी बातें कही हैं। आज हमारी

23.02.2024/1510/RKS/वाइके-2

जीवनयापन की विधि कहीं-न-कहीं फॉल्ट लाइन में हैं। कहते हैं कि 'early to bed and early to rise makes a man healthy, wealthy and wise'. But sometimes we sleep very late and also get up late in the morning. ये सब चीजें एक तरफ रह जाती हैं और सचमुच में we never go to bed early as we must go उसके बाद प्रतिस्पर्धा भौतिकवाद और इच्छाओं की दौड़ शुरू होती है। अगर किसी ने कार खरीद ली तो हमें लगता है कि हमारे पास भी यह कार आनी चाहिए। हम हर क्षेत्र में इस प्रकार से हों those who can give psychotherapy, those who can understand the condition of a person, who is suffering from this ailment. चाहे वह किसी भी कारण से रहा हो। यह कारण जैनेटिक और

श्री बी.एस.द्वारा जारी

23.02.2024/1515/बी.एस./ए जी/-1
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जारी...

समाज के अन्दर हमारे बीच जो वातावरण है उसकी वजह से भी हो सकते हैं। मैं तो कई बार कहता हूं, I just want to recall our days when Madam Vidya Stokes, the then Chairperson of Women Hockey Federation, had taken us to Melbourne. हम तीन-चार लोग जो विधायक और एम.पीज. थे, उन सबको अपने साथ ले गए। She didn't tell us that where she is taking us. जो यहां के डॉक्टर्ज थे वे उनके जानने वाले थे। परंतु उन्होंने हमें नहीं बताया था कि वे हमें किसी अस्पताल में ले जा रहे हैं। हमने वहां जा करके आराम से चाय पीIThis happened in Melbourne (Australia) during games. बाद में उन्होंने बताया that do you know where you are sitting. You are in a Cancer Hospital. यहां अन्दर कितनी सुविधाएं हैं, फिर बाद में यह सब हमें दिखाया

गया। यह दिखाने के लिए कि हम भी अपने अस्पतालों में ऐसी सफाई रखें। जैसे आदरणीय परमार जी कह रहे थे कि हमारा मन इतना सशक्त हो, इतना सुन्दर हो और प्रसन्न हो, यानी अस्पताल बहुत अच्छे वातावरण में दिखना चाहिए ताकि वहां से हम ऊर्जा ले करके बाहर आएं। हम सब लोगों को ऐसी परिकल्पना करनी चाहिए so that when we go there as patient and when we come out, we should come healthy with lot of gusto and lot of ऊर्जा in us. इससे आत्मियता की ओर जाने के अवसर पैदा हो जाते हैं। इसके बहुत से कारण हैं। इससे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। Way back in 1957-58 when I had read this additional optional subject Psychology, I found कि जो सचमुच में लाइफस्टाइल को ठीक नहीं रखते हैं तो उनकी हालत भी ऐसी हो सकती है। अगर हम अपने जीने के तरीकों को ठीक कर देते हैं तो इससे बहुत सी चीजें अच्छी हो सकती हैं। जो काउंसलिंग की बात कही गई है वह मैं समझता हूं कि बहुत बड़ी चीज है और ये परिवार में भी पैदा होनी चाहिए। कोई भी इस प्रकार की हालत में आ सकता है। इसलिए काउंसलिंग हमारा सब्जेक्ट बनना चाहिए। हमारा जो बालूगंज में मानसिक रोगी अस्पताल बना है उसे भी मैंने देखा है। वहां मैंने देखा कि वहां पर बहुत अच्छी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। परंतु इन्हें और भी ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। मेरा तो मानना है कि हम ब्लॉक लैवल से ऊपर

upwards Counsellors, Educators and Psychologist and Psychitrist को भरने की प्रक्रिया आरंभ करेंगे। **उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा हम चाहते हैं। यहां इस चीज के ऊपर और ज्यादा विचार करेंगे और इस चीज में डॉक्टर्ज को और ज्यादा भरने का प्रयास भी करेंगे।** अब यहां पर अवेयरनेस का तालुक है ये इन्फ्रास्ट्रक्चर में होना चाहिए, शिक्षा के सिस्टम में होना चाहिए। अवेयरनेस बहुत बड़ी चीज है। जब बच्चों में ज्ञान होगा that why I am not doing well? ये अच्छे बच्चे हर बार परीक्षा में हर बार अच्छा करना चाहते हैं उसके बावजूद भी we find that they hang themselves and end their life. उन्हें इसकी क्या जरूरत है? We must have Psychologist and Counsellors at various levels. जहां तक परिवारों की मजबूती की बात है और आपस में व्यवहार की बात है वह सचमुच में

हमारे सामाजिक सिस्टम का कॉर्नर स्टोन होना चाहिए। जैसे हम यहां बात कर रहे थे, Dr. Hans Raj has also gave a very good input. यहां कृषि मंत्री जी ने मुझे याद दिलाया कि महात्मा गांधी जी ने कहा था that by education, I mean the drawing out of best from mind, body and spirit. यह कितनी बड़ी बात है कि हम शिक्षा का महत्व समझें और बच्चों के दिमाग में शिक्षा के प्रति ऐसी बातें डालें और मैं समझता हूं कि ये बहुत बड़ा काम करेंगे। बड़े-बड़े विद्वान यही तो कहते हैं, अशिक्षा का अर्थ क्या होता है? शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान है। They are also animal. We are also social animal. शिक्षा ही हमें उनसे अलग करती है। बड़े-बड़े विद्वानों ने कहा है कि education is an ornament in prosperity, a refuge in adversity. यह अच्छे दिनों का गहना है। परंतु जब जीवन में कोई आफत आ जाए तो उसके लिए पनाह और आश्रय भी है, education system should be really a very well-thought out system.

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

23.02.2024/1520/डीटी/एजी-1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री..... जारी

हमारी जो स्ट्रेस की बात चली है। स्ट्रेस हर जगह पैदा हो जाता है। दिल्ली , मुम्बई या बंगलूरू में बच्चा स्कूल भेज दिया तो जब तक वह वापिस नहीं आ जाता तो तब तक वह एक प्रकार से स्ट्रेस हो जाता है। उससे हमें as we are as politicians, श्री विपिन सिंह परमार जी यहां आ गए हैं उन्होंने बहुत अच्छी बातें कही हैं। इन्होंने कहा कि मन इतना स्ट्रोंग हो मन की पवित्रता इतनी स्वच्छ हो कि जो हम करना चाहें वह कर लें। जो इन्होंने सैनिक की बात कही हम वहीं चीज बच्चों को तैयार करवाते हैं। We prepare them mentally. Mental fortitude is so strong that there is no come back when they are on the frontline they have to attach. आपने जो मेंटल हैल्थ की डेफिनेशन दी, मुझे

डॉ0 जनक राज जी ने बताया that approximately 6 per cent of population even in Himachal Pradesh today is under this sort of stress that we are facing. Another thing which Dr. Janak Raj told was that during 2020-2022 almost more than 2500 cases of suicide happened. आत्महत्या तक ले जाना, how we are driven to that condition? You can well imagine. मैं ज्यादा लंबी बात नहीं करूंगा। जो हमारा पुलिस का रोल है they are responsible. If they find some people and they take them away to guide them or to tell where is the agency, they are very-very fortunate that way. जो टांडा मेडिकल कॉलेज में सुविधा है मैं इसको जरूर देखूंगा। अगर वहां पर जो सुविधा विद्यमान है तो भारत सरकार ने जो सुविधा दी है It is a very-very costly treatment, really speaking, when one has to go through all this. जो चीजें हमें मिली है इनका हमें इस्तेमाल करना चाहिए। माननीय वक्ताओं ने बहुत अच्छी बात कही किः

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणी पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत।

हम सभी लोगों को बिना रोग के देखना चाहते हैं। सब लोग आपस में प्यार से रहें। एक अच्छे समाज का निर्माण तभी होगा जब हम प्यार से रहें। जब मन स्वस्थ होगा तो शरीर अपने आप ही स्वस्थ हो जाएगा। कितने भी प्रकार की मेडिसिन हो लेकिन हम मानसिक रूप से सशक्त हैं तो फिर हम एक समाज का निर्माण करेंगे। मैं श्री भवानी सिंह पठानिया जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंन इतना अच्छा संकल्प रखा।

23.02.2024/1520/डीटी/एजी-2

I can assure you from the Government side that in view of the increase in mental diseases due to increasing competition in the modern era, the Government of India and State Government are working together to improve mental health and strengthen the infrastructure. Various departments of the State Government are working together in this direction. Apart from awareness, the Health Department is ensuring arrangements for treatment of

patients. The police Department provides security to the helpless mental patients and takes them to health institutions for treatment. The Social Justice Department is running various schemes for the rehabilitation of mental patients and providing shelter to them. The Department of Medical Education is trying to increase the number of trained people for mental health. As suggested by various Hon'ble Members, we shall make sure that from the block upward we have them under a Committee in which all of you, particularly, Doctors and those who have been the Health Minister like Shri Vipin Singh Parmarji and we will hold a meeting and then give it a proper look as to how we have to recruit people so that mental health improves.

Continued by AS in English …

23-02-2024/1525/ए.एस.-एन.जी/1

Health Minister contd.

since Mental Health is a sensitive subject, all aspects legal, social and practical are taken into consideration. Good initiative would be taken to formulate a policy to improve mental health and to strengthen infrastructure. The Department of Health is working to formulate a policy for the promotion of health in collaboration with all the concerned departments in which experts from AYUSH, Sport, Education Health and Medical Education Departments, besides expert from PGI Chandigarh and ICMR Chennai have shared their valuable suggestions.

Mr. Speaker, Sir, a very important Resolution has been brought forwarded by the Hon'ble Member Shri Bhawani Singh Pathaniaji, and if the Hon'ble Member is satisfied with the deliberations and reply thereof and he is satisfied with whole measures that are being taken by the Government in consultation with the Central Government in regard to Mental Health. the Hon'ble Member will be able to take his Resolution back?

Speaker: Hon'ble Member Shri Bhawani Singh Pathaniaji.

Shri Bhawani Singh Pathania: Hon'ble Speaker, Sir, I would like to have some clarifications and assurances from the Hon'ble Health Minister. First of all I want to say that we don't need a new policy as we have already a National Mental Health Policy and we have to implement that Policy. So I don't think a new policy is required for that. More than that I had raised three issues primarily पहला, हम ये कह रहे हैं कि हमें अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। एक मेरी स्पेसिफिक मांग थी कि जो हमने 69 सिविल अस्पतालों को आदर्श स्वास्थ्य संस्थान बनाने के लिए चिन्हित किया है can we have a psychiatrist and counsellor positions created in these hospital i.e. 69 position each. इसके अलावा अगर प्रिवेंटिव दृष्टि से देखें तो सबसे ज्यादा vulnerable segment वे लोग हैं जो जेल में सजा काट रहे हैं। इसके अतिरिक्त जो बिल्कुल यंग एज़ के बच्चे हैं जिनकी उम्र 15 से लेकर 18 साल के मध्य है क्या उनके लिए काउंसलर की नियुक्ति कर सकते हैं? मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार

23-02-2024/1525/ए.एस.-एन.जी/2

कल्याण मंत्री से दो तरह के आश्वासन चाहूंगा कि यदि प्रत्येक शिक्षा खंड में संभव नहीं है तो क्या सरकार दो शिक्षा खंडों पर एक काउंसलर का पद सृजित करेगी? दूसरा, क्या जेलों के लिए भी इनकी पोस्ट क्रिएट की जाएगी? तीसरी बात मैं दवाइयों के बारे में कहना चाहता हूं कि मेंटल हैल्थ के रोगियों की मेडिसन, क्या सरकार उन्हें निःशुल्क उपलब्ध करवाएगी? These are the specific assurances which I want from the Hon'ble Health Minister.

Speaker: Hon'ble Health Minister.

Hon'ble Health Minister: Hon'ble Speaker, Sir, जो तीन बातें माननीय सदस्य के द्वारा कहीं गई हैं **so far as the post counselor/educator is concerned, we shall have them at the block levels. Second thing is related with National Mental Health Policy as raised by the Hon'ble Member Dr. Janak Rajji, that will also be implemented. The next thing is regarding the Counselors and Psychiatrist posts, in 69 Adarsh Swasthya Sansthan we will certainly have Counselor and**

Psychiatrist posts there and we will try do proper counselling there also. We will also consider to provide free medicines for mental health to be included in the essential drugs list which being procured since I am a Chairperson, I will make sure that the medicines that are provided are given free. Hon'ble Speaker, Sir, as I have given assurances to the Hon'ble Members regarding the issues which he has raised, so keeping in view those assurances, the Hon'ble Member will be able to take his Resolution back?

अध्यक्ष : माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने बड़े विस्तार से उत्तर दिया है तो क्या माननीय सदस्य अपना संकल्प वापस लेने के लिए तैयार हैं?

23-02-2024/1525/ए.एस.-एन.जी/3

श्री भवानी सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने जो जवाब दिया है उससे मैं संतुष्ट हूं और अपना संकल्प वापस लेता हूं।

अध्यक्ष : तो क्या माननीय सदन की अनुमति है कि संकल्प को वापस लिया जाए?

प्रस्ताव स्वीकार।

संकल्प वापिस हुआ।

अगला संकल्प....श्रीमती के.एस. द्वारा जारी.....

23.02.2024/1530/केएस/एएस/1

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री जीत राम कटवाल अपना संकल्प प्रस्तुत करेंगे।

श्री जीत राम कटवाल : अनुपस्थित।

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री इन्द्र दत्त लखनपाल अपना संकल्प प्रस्तुत करेंगे।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : अनुपस्थित ।

अध्यक्ष : अब इस माननीय सदन की बैठक सोमवार, दिनांक 26 फरवरी, 2024 के 2.00 बजे अपराह्न तक स्थगित की जाती है। धन्यवाद।

शिमला-171004 **यशपाल शर्मा**
दिनांक: 23 फरवरी, 2024 **सचिव।**